R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 73
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 21 नवम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ...
5 मोटरसाइकिल चोरी करने वाले 2 अन्तर्जनपदीय ...
7 ह्यून बिन और सोन ये जिन ने ब्लू ड्रैगन फिल्म ...

बिहार में एनडीए की सरकार : नीतीश कुमार रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को सराहा, बताया कुशल और अनुभवी प्रशासक

पटना। (एजेंसी) जनता दल-यूनाइटेड के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में एक भव्य समारोह में रिकॉर्ड दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कुल 18 कैबिनेट मंत्रियों और दो उप-मुख्यमंत्रियों ने शपथ ली। कुल 26 मंत्रियों ने शपथ ली और शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और एनडीए के कई अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। इस समारोह में एनडीए शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी भाग लिया।

शपथ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश कुमार और अन्य मंत्रियों को बधाई दी है। शपथ की तस्वीरों को साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि श्री नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बहुत-बहुत बधाई। वे एक कुशल और अनुभवी प्रशासक हैं। राज्य में सुशासन का उनका शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। नए कार्यकाल के लिए उन्हें मेरी हार्दिक शुभकामनाएं! उन्होंने आगे लिखा कि श्री सम्राट चौधरी जी और श्री विजय सिन्हा जी को बिहार के उप मुख्यमंत्री बनने पर ढेरों बधाई। जमीनी स्तर पर दोनों नेताओं के पास जनसेवा का लंबा अनुभव है। उन्हें भी मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं!

मोदी ने एक्स पर यह भी लिखा कि बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को मेरी हार्दिक बधाई। समर्पित नेताओं की यह एक ऐसी शानदार टीम है, जो बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उन सभी को मेरी ढेरों शुभकामनाएं! नीतीश कुमार के अलावा कुल 25 नेताओं ने एनडीए के नेतृत्व वाले नए बिहार मंत्रिमंडल के हिस्से के रूप में शपथ ली। इनमें सम्राट चौधरी (भाजपा), विजय कुमार सिन्हा (भाजपा), विजय कुमार चौधरी (जद-यू), बिजेंद्र प्रसाद यादव (जद-यू), श्रवण कुमार (जद-यू), मंगल पांडे (भाजपा), दिलीप कुमार जयसवाल (भाजपा) और अशोक चौधरी (जद-यू) शामिल थे।

मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले अन्य लोगों में लेसी सिंह (जेडी-यू), मदन सहनी (जेडी-यू), नितिन नबीन (बीजेपी), राम कृपाल यादव (बीजेपी), एचएएम (एस) के संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार (जेडी-यू), मोहम्मद जमा खान (जेडी-यू) और संजय सिंह टाइगर (बीजेपी) शामिल हैं। इस सूची में अरुण शंकर प्रसाद (बीजेपी), सुरेंद्र मेहता (बीजेपी), नारायण प्रसाद (बीजेपी), रमा निषाद (बीजेपी), लखेंद्र कुमार रौशन (बीजेपी) और श्रेयशी सिंह (बीजेपी) भी शामिल हैं.

इसके अतिरिक्त, प्रमोद कुमार (भाजपा), संजय कुमार (लोजपा), संजय कुमार सिंह (लोजपा) और दीपक प्रकाश (रालोम) ने मंत्री पद की शपथ ली। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

करूर भगदड़ के बाद टीवीके की नई रणनीति, अब सिर्फ़ कार्यदिवस में रैलियां, एसओपी का इंतज़ार

सलेम (एजेंसी)। तमिझागा वेत्री कझगम (टीवीके) ने 4 दिसंबर को शहर में चुनाव प्रचार करने के लिए सलेम जिला पुलिस से अनुमति मांगी है। पार्टी राजनीतिक सभाओं पर तमिलनाडु सरकार की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का भी इंतज़ार कर रही है, जिसे राज्य सरकार को उच्च न्यायालय के हालिया आदेश के बाद तैयार करने के लिए कहा गया है। टीवीके ने 29 सितंबर को अभिनेता-राजनेता विजय के चुनाव प्रचार के दौरान करूर में हुई भगदड़ के बाद अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक लगा दी थी, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी। पार्टी ने अब संकेत दिया है कि भविष्य में अभियान केवल कार्यदिवसों में ही आयोजित किए जाएँगे, करूर की घटना से पहले शनिवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के विपरीत। इस त्रासदी के बाद मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को राजनीतिक सभाओं के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश दिया था।

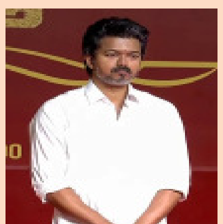

मसौदा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, राजनीतिक दलों को किसी भी रैली या सभा के आयोजन से कम से कम 10 दिन पहले सूचना देनी होगी। इसमें अनुमानित भीड़ के आकार के आधार पर वापसी योग्य सुरक्षा राशि का भी प्रस्ताव है, जो 5, 000 से 10, 000 लोगों की भीड़ के लिए 1 लाख रुपये से लेकर 50, 000 से अधिक लोगों के आने वाले कार्यक्रमों के लिए 20 लाख रुपये तक हो सकती है। आयोजकों को कार्यक्रम का पूरा विवरण प्रस्तुत करना होगा, जिसमें किसी भी रोड शो का मार्ग, वह विशिष्ट मार्ग जहाँ नेता समर्थकों को संबोधित करेंगे, और मुख्य वक्ताओं के आगमन का अनुमानित समय शामिल होगा–ताकि पुलिस यातायात और भीड़ नियंत्रण की योजना बना सके।

अमेरिकी से संबंधित रिपोर्ट हमारी कूटनीति के लिए एक और बड़ा झटका-कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिका से संबंधित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि यह भारत की कूटनीति के लिए एक और बड़ा झटका है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस की यह रिपोर्ट भारत के लिए स्वीकार्य नहीं है। रमेश ने ' एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग ने हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस को अपनी वार्षिक रिपोर्ट सौंपी है।

अमेरिकी सीनेट और प्रतिनिधि सभा द्वारा संयुक्त रूप से गठित आयोग में 12 स्वतंत्र सदस्य हैं।' उन्होंने कहा, '2025 की वार्षिक रिपोर्ट लगभग 800 पृष्ठों की है। पृष्ठ 108 और 109 के अनुभाग बिल्कुल आश्चर्यजनक और समझ से परे हैं।' रमेश ने दावा किया कि इस रिपोर्ट में अप्रैल 2025 में पाकिस्तान द्वारा कराए गए पहलगाम आतंकी हमले को 'विद्रोही हमला' बताया गया है तथा चार दिवसीय संघर्ष में 'भारत पर पाकिस्तान की सैन्य सफलता' की बात की गई है।

कांग्रेस नेता ने कहा, '(अमेरिकी) राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप ने (अब तक) 60 बार दावा किया है कि उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर को रोक दिया है। प्रधानमंत्री ने (इस पर) पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।' रमेश का कहना है कि अब अमेरिकी कांग्रेस के अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा आयोग की यह रिपोर्ट आई है जो भारत के लिए बिल्कुल अस्वीकार्य है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय इस पर आपत्ति और विरोध दर्ज कराएंगे? रमेश ने दावा किया कि देश की कूटनीति को एक और करारा झटका लगा है।

नीतीश कुमार के सीएम बनने के बाद तेजस्वी यादव ने किया पोस्ट

कहा- नई सरकार जनता से किए वादे पूरे करे

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट कर नीतीश कुमार को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं।'

राजद नेता ने कहा, 'आशा है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा बिहारवासियों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद शपथ लेने वाले अन्य 26 मंत्री में जदयू से विजय चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी (विधान परिषद के सदस्य), सुनील कुमार, लेशी सिंह, मदन सहनी, मोहम्मद जामा खान।

भाजपा से सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, मंगल पांडेय, दिलीप जायसवाल, नितिन नवीन, राम कृपाल यादव, संजय सिंह टाइगर, रमा निषाद, लखेंद्र कुमार रोशन, श्रेयसी सिंह, नारायण प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, अरुण शंकर प्रसाद और डॉ. प्रमोद कुमार (विधान परिषद के सदस्य) ने मंत्री पद की शपथ ली। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) से संतोष सुमन, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) से दीपक प्रकाश के साथ साथ लोजपा (रामविलास) से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह हैं। दीपक प्रकाश न तो विधायक हैं और न ही विधान परिषद के सदस्य।

'5 साल तक सीएम रहेंगे': सिद्धारमैया ने नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को किया खारिज, विकास पर जोर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को 'नवंबर क्रांति' की खबरों को खारिज करते हुए इसे मीडिया की उपज बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका रुख शुरू से ही मज़बूत रहा है और आगे भी रहेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह 5 साल तक सीएम बने रहेंगे, कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि यह एक अनावश्यक बहस है। यह कहा गया था कि ढाई साल बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जा सकता है, उसके बाद ही मुख्यमंत्री बदलने का मुद्दा सामने आया है। पार्टी नेताओं को कैबिनेट फेरबदल पर फैसला लेने की जरूरत है। कुल 34 मंत्री पद हैं, जिनमें से दो पद खाली हैं। कैबिनेट फेरबदल के दौरान इन खाली मंत्री पदों को भरा जाएगा।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के सीएम बनने के बयान पर एक सवाल के जवाब में सिद्धारमैया ने कहा कि मैं ऐसे किसी बयान का जवाब नहीं दूंगा। कांग्रेस पार्टी राज्य में पांच साल से सत्ता में है और उसके पास जनादेश है। हमारे घोषणापत्र में किए गए वादे को पूरा करने के लिए ईमानदार प्रयास किया जा रहा है। मीडिया ने नवंबर क्रांति का मुद्दा बनाया। जनता की इच्छा के अनुसार, पांच साल के शासन के बाद कांग्रेस पार्टी फिर से चुनी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि जनता ने कांग्रेस को पाँच साल के लिए सत्ता सौंपी है। उन्होंने सत्ता-बँटवारे पर चर्चा पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि जनता ने हमें पाँच साल शासन करने का जनादेश दिया है। हम अपनी पाँच गारंटियों (गृह लक्ष्मी, शक्ति, गृह ज्योति, अन्न भाग्य और युवा निधि) को पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास करेंगे। 2028 के विधानसभा चुनावों के बारे में उन्होंने कहा, 'चुनावों को आने दीजिए।' यह पूछे जाने पर कि वह कितने बजट पेश करेंगे, सिद्धारमैया ने कहा कि जब तक जनता चाहेगी, वह ऐसा करते रहेंगे।

चामराजनगर आने वाले मौजूदा मुख्यमंत्रियों की सत्ता बीच में ही छूट जाने की एक अंधविश्वासी धारणा पर बात करते हुए सिद्धारमैया ने कहा, 'मैं अंधविश्वास में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए चामराजनगर, मैसूर या बेंगलुरु जाना एक ही बात है। मैं राज्य के सभी 31 ज़िलों का दौरा करूँगा।' उन्होंने बताया कि चामराजनगर का उनका दौरा अंधविश्वास को चुनौती देने और उन लोगों को संदेश देने के लिए था जो कहते थे कि मौजूदा मुख्यमंत्रियों को इस ज़िले से दूर रहना चाहिए।

ऐतिहासिक पल! बिहार एनडीए में नई सरकार का गठन, चिराग का बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट पर जोर

पटना (एजेंसी)। बिहार में एनडीए सरकार के शपथ ग्रहण समारोह पर, लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान की माँ रीना पासवान ने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि यह समारोह एक 'ऐतिहासिक क्षण' है और कहा कि उनके बेटे के नेतृत्व में पार्टी आगे बढ़ रही है। रीना पासवान ने एएनआई से कहा कि मैं बहुत खुश हूँ। एक ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह हुआ है। चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी आगे बढ़ रही है।

चिराग पासवान ने भी इसी भावना को दोहराते हुए इसे एक 'बड़ी ज़िम्मेदारी' बताया और कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री मोदी के विज़न और नीतीश कुमार के अनुभव के आधार पर 'बिहार पहले और बिहारी पहले' को प्राथमिकता देगी। पासवान ने कहा कि यह एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। मेरी सरकार प्रधानमंत्री मोदी के विज़न और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अनुभव के साथ बिहार पहले और बिहारियों पहले रखने के लिए काम करेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने आज गांधी मैदान में एक भव्य समारोह में शपथ ग्रहण की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हज़ारों समर्थक मौजूद थे। भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास) और कई अन्य सहयोगी दलों के नेताओं ने इस समारोह को 'ऐतिहासिक' बताते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि बिहार की जनता से मिले प्रचंड जनादेश के बाद नई सरकार पर बड़ी ज़िम्मेदारी है।

नए मंत्रियों ने भी आभार और प्रतिबद्धता व्यक्त की। जदयू की लेशी सिंह ने कहा कि वह बिहार के विकास के लिए 'पूरी ताकत' से काम करेंगी, जबकि श्रवण कुमार ने 'विशाल जनादेश' के लिए लोगों का धन्यवाद किया और सभी वादों को पूरा करने का वादा किया। भाजपा मंत्री राम कृपाल यादव ने एनडीए के विकास एजेंडे के अनुरूप 'विकसित बिहार' के लिए काम करने का संकल्प लिया। जदयू की लेशी सिंह ने कहा, 'मुख्यमंत्री ने मुझ पर फिर से अपना विश्वास जताया है और मैं बिहार के विकास के लिए पूरी ताकत से अपना योगदान दूँगी। मैं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।' श्रवण कुमार ने कहा, 'मैं बिहार की जनता को भारी जनादेश देने के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। हम जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए काम करेंगे।'

वाराणसी में 2 करोड़ की कोडीन वाली कफ सिरप जब्त, 500 पेटियो में 93 हजार शीशियां बरामद

वाराणसी (एजेंसी)। नारकोटिक्स विभाग और पुलिस ने बुधवार को रोहनिया इलाके के एक गोदाम में 500 पेटियों में कोडीनयुक्त कफ सिरप की 93 हजार शीशियां जब्त कीं। वरुणा जोन डीसीपी प्रमोद कुमार ने बताया कि बरामद खेप की कीमत करीब दो करोड़ रुपये है। गोदाम आगरा के एक कारोबारी ने किराए पर लिया था। गोदाम मालिक से पूछताछ की जा रही है।

औषधि निरीक्षकों ने कफ सिरप सप्लायर प्रशांत उपाध्याय उर्फ लड्डू की दो फर्मों समेत कुल छह फर्मे सील कीं। इन फर्मों से बड़े पैमाने पर कोडीनयुक्त कफ सिरप की सप्लाई की जानकारी मिली थी।

उन्होंने बताया कि बरामद उत्पाद में दो ब्रांड के कफ सिरप की बोतले हैं और दोनों ब्रांड में कोडिन की मात्रा है। कुमार ने बताया कि बरामद किए गए कफ सिरप की खेप गाजिबाद से चंदौली ले जाई जानी थी। जिम के नीचे बने गोदाम में सिरप रखी हुई थी। पुलिस, ड्रग विभाग और ऊइ की टीम की सयुंक्त कार्रवाई में यह बरामदगी हुई है। पुलिस मौके पर जांच पड़ताल में जुट गई है।

आशंका जताई जा रही है कि 100 करोड़ के कफ सिरप कांड के सरगना से इस बरामदगी के तार जुड़े हो सकते हैं। एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार। 100 करोड़ रुपये के कफ सिरप मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन हो चुका है। नेक्सस की जांच और प्रतिबंधित सिरफ के सरगनाओं के लिए एसआईटी गठित हुई है। नशे में प्रयुक्त होने वाले कफ सिरफ के 26 फार्मों के खिलाफ वाराणसी में मुकदमा दर्ज हो चुका है।

नीतीश के बेटे का जमीन से जुड़ा अंदाज : 10वीं बार सीएम बनते ही निशांत ने जनता को दिया धन्यवाद

पटना (एजेंसी)। गांधी मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में, नीतीश कुमार ने आज रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अपने पिता के शपथ ग्रहण समारोह पर प्रतिक्रिया देते हुए, नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने उन्हें और जनता को इस सम्मान के लिए बधाई दी। निशांत ने कहा कि मैं अपने पिता को 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई देता हूँ। जनता ने हमें उम्मीद से ज़्यादा दिया। मैं जनता को धन्यवाद और बधाई देता हूँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समारोह में शामिल होने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे, जहाँ सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

निशांत कुमार ने कहा कि हमने पहले भी वादा किया था और इस बार भी वादा पूरा करेंगे... हम लोगों का सम्मिलित योगदान है। सभी ने मेहनत की और काम किया है। यह 20 सालों की मेहनत का फल है। निशांत कुमार की सादगी की चर्चा सोशल मीडिया खूब हो रही है। गांधी मैदान में वह बिल्कुल नीचे बैठे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य वरिष्ठ एनडीए नेता मौजूद थे।

गांधी मैदान में, भाजपा नेता विजय सिन्हा ने शपथ ग्रहण समारोह स्थल पहुँचकर जनादेश की सराहना की। देश भर के नेताओं द्वारा एनडीए की जीत की सराहना करते हुए पटना में जश्न का माहौल रहा। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि बिहार में खुशी का माहौल है। बिहार की जनता ने 'जंगल राज' को नकार कर 'विकास राज' को स्वीकार कर लिया है।' भाजपा की नवनिर्वाचित विधायक और गायिका मैथिली ठाकुर ने इस दिन को महापर्व बताया।

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने ज़ोर देकर कहा कि नई सरकार अपने वादों पर कायम रहेगी। एनडीए अपने वादे पूरे करेगा; बिहार की जनता ने नीतीश कुमार पर अपना भरोसा जताया है... और प्रधानमंत्री का यहाँ आना हमारे लिए गर्व की बात है। इसके अलावा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बिहार बड़े पैमाने पर प्रगति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने बिहार में अपनी सरकार बनाई है... बिहार बड़े पैमाने पर प्रगति करेगा।'

निशांत कुमार ने पटना के सेंट कैरेंस स्कूल में पढ़ाई की और फिर मसूरी के मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल में दाखिला लिया। इसके बाद उन्होंने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), मेसरा से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। निशांत कुमार का कहना है कि राजनीति में आने की उनकी कोई इच्छा नहीं है। 2017 में उन्होंने कहा था, 'मुझे राजनीति में न तो कोई रुचि है और न ही इस क्षेत्र के बारे में कोई जानकारी है। मेरा पहला प्यार अध्यात्म है और फिलहाल मैं अध्यात्म के रास्ते पर आगे बढ़ रहा हूँ।' मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार निशांत कुमार की कुल संपत्ति करीब 3.6 करोड़ रुपये आंकी गई है।

दिल्ली विस्फोट मामला में चार और आरोपी गिरफ्तार, एनआईए टीम ने जम्मू-कश्मीर से हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए विस्फोट के चार और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिससे गिरफ्तारियों की कुल संख्या छह हो गई है। पटियाला हाउस कोर्ट के जिला सत्र न्यायाधीश द्वारा जारी पेशी आदेश पर चारों आरोपियों को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हिरासत में लिया गया। इनकी पहचान जम्मू-कश्मीर के पुलवामा निवासी डॉ. मुज़म्मिल शकील गनई, जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग निवासी डॉ. अदील अहमद राथर, उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी डॉ. शाहीन सईद और जम्मू-कश्मीर के शोपियां निवासी मुफ्ती इरफान अहमद वागे के रूप में हुई है। एजेंसी के अनुसार, इन सभी ने इस हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसमें कई लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।

इससे पहले, एजेंसी ने दो अन्य आरोपियों, आमिर राशिद अली, जिसके नाम पर विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार पंजीकृत थी, और जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश, जिसने हमले में शामिल आतंकवादी को तकनीकी सहायता प्रदान की थी, को गिरफ्तार किया था। मामले की पूरी साजिश का पर्दाफाश करने के प्रयासों के तहत उनसे पूछताछ जारी है। घटना के तुरंत बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जाँच एजेंसी को सौंप दी थी। एजेंसी विभिन्न राज्य पुलिस बलों के साथ मिलकर हमले के लिए ज़िम्मेदार समूह के प्रत्येक सदस्य का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही है।

जिलाधिकारी ने की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में गुरुवार को उदयन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

ज्ञात हो कि बैठक में जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से कहा कि सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाय। शौचालय एवं बेडशीट साफ रहें। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित बनाये रखी जाय। मरीजों एवं परिजनों के साथ विनम्र व्यवहार किया जाय। उन्होने गत बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा के दौरान ठीक प्रकार से कार्य न करने वाली आशाओं के सम्बन्ध में सही जानकारी न देने पर डी.सी.पी.एम. का वेतन रोकने एवं चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा वी.एच.एस.एन.डी. सेशन के भ्रमण के दौरान पायी गई कमियों को दूर करा दिया जाय तथा सभी आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाय।

जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नेवादा, सिराथू, कनैली व मूरतगंज में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए प्रभारी चिकित्साधिकारियों को प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित टीकाकरण में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिराथू, कनैली व नेवादा से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होने जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान संस्थागत प्रसव में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिराथू, कनैली व सरसवां से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि संस्थागत प्रसव पर विशेष ध्यान देकर प्रगति सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं का ए.एन.सी. पंजीकरण एवं सभी ए.एन.सी. जॉच पर विशेष ध्यान दिया जाय।

जिलाधिकारी ने मातृ-मृत्यु एंव आडिट की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि मातृ-मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को और न्यूनतम किया जाय। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने कहा कि ठीक प्रकार से कार्य न करने वाले सी.एच.ओ. के विरूद्ध कार्यवाही की जाय। उन्होने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी से कहा कि सैम एवं मैम बच्चों को चिन्हित कर पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराया जाय एवं फॉलो-अप भी किया जाय। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि कार्ययोजना बनाकर कैम्प लगाकर पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाय।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार एवं सी.एम.एस. एस.के. शुक्ला सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

यातायात माह के तहत जनपद कौशाम्बी में चलाया गया सघन वाहन चेकिंग अभियान, लोगों को किया गया जागरूक

नियमों का पालन करें, क्योंकि सुरक्षा महंगी नहीं–यह अमूल्य है

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। शासन के निर्देशानुसार संचालित यातायात माह नवम्बर-2025 के अंतर्गत गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में तथा संबंधित क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों एवं यातायात पुलिस द्वारा वृहद स्तर पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों को बिना हेलमेट वाहन न चलाने, सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने एवं अन्य सभी यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें नियमों का अनुपालन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। अभियान के दौरान 478 वाहनों का ई-चालान किया गया एवं 02 वाहनों को सीज किया गया।

ओ-लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन 01 दिसम्बर तक

कौशाम्बी। अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार "ओ" लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण के द्वितीय चरण के लिए वेबसाईट http://obccomputertraining.upsdc.gov.in/index.aspx पर 01 दिसम्बर 2025 तक इच्छुक युवक/युवती ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने देते हुए बताया कि आवेदन करने के उपरान्त ऑनलाइन भरे गये आवेदन की प्रिन्ट आउट प्राप्त कर हस्ताक्षरित करते हुए समस्त अभिलेखों सहित कार्यालय कक्ष संख्या-16 जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, विकास भवन में दिनांक 01 दिसम्बर, 2025 की सायं 5:00 बजे तक अनिवार्य रूप से जमा करें।

पुलिस मुठभेड़ में सर्राफ से लूट के पांच आरोपी गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सरायअकिल थाना क्षेत्र के बिन्नई मोड़ के समीप बुधवार शाम सर्राफ से हुई लूट की घटना के आरोपी पांच बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिए गए। गुरुवार की देर शाम पुलिस का बदमाशों से आमना-सामना जुगराजपुर इलाके में हुआ। जवाबी कार्रवाई के दौरान पैर में गोली लगने से तीन बदमाश जख्मी हुए हैं। उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। लिखापढ़ी के बाद पकड़े गए बदमाशों का चालान किया जाएगा।

सरायअकिल कस्बे के भगौतीगंज मोहल्ला निवासी अंशू सोनी पुत्र शिवमूरत सोनी ने इलाके के इशीपुर मजरा पुरखास में आभूषण की दुकान खोल रखी है। प्रत्येक दिन की तरह बुधवार की शाम करीब पांच बजे वह दुकान बंद करके बाइक से घर जा रहा था।

रास्ते में बिन्नई मोड़ के समीप पीछे से आए बोलेरो सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर उसे रोक लिया था। इसके बाद बदमाश कनपटी पर तमंचा सटाकर सर्राफ के पास रहा बैग लेकर पटेल चौराहा की ओर फरार हो गए थे। बैग में पांच किलो नई और पुरानी चांदी के निर्मित व अर्ध निर्मित गहने, चार पीस सोने की कील, 12 पीस सोने की नथिया, नौ ग्राम की सोने की झुमकी समेत करीब 10 लाख के आसपास का माल था। मामले में पीड़ित सर्राफ की तहरीर पर देर रात अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा कायम हुआ। एसपी राजेश कुमार ने घटना के खुलासे को कुल छह टीमों का गठन किया। उन्होंने बताया कि गुरुवार की देर शाम पुलिस टीम को खबर मिली कि बदमाशों की संदिग्ध बोलेरो जुगराजपुर की ओर देखी गई है। पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो बोलेरो सवार बदमाश खुद को घिरता देख दामिन तलरी तालाब की तरफ भागने लगे। इसी बीच तीन बदमाशों ने बोलेरो से उतरकर पैदल पुलिस दल पर फायरिंग करते हुए भागना शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई के दौरान इनमें से एक बदमाश को दोनों तो दो को एक पैर में गोली लगी। बोलेरो में बैठे दो अन्य बदमाशों को भी पुलिस ने पकड़ लिया।

जल्द खातों में पहुंच जाएगी डीबीटी की धनराशि

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। बेसिक शिक्षा विभाग बच्चों के अभिभावकों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से धनराशि भेजने का कार्य तेजी से कर रहा है। अब तक सभी बच्चों के माता-पिता के खाते में धनराशि नहीं पहुंची है। इस माह के अंत तक 754 बच्चों को छोड़कर अन्य के माता-पिता के खाते में धनराशि भेज दी जाएगी। यह दावा बेसिक शिक्षा विभाग का है।

ज्ञात हो कि जिले में कुल 1097 विद्यालयों में 1, 51, 532 बच्चे पंजीकृत हैं। इनमें से अब तक 1, 43, 855 बच्चों के माता-पिता के खाते में डीबीटी के माध्यम से 1200 रुपये की धनराशि भेजी जा चुकी है। विभाग का दावा है कि इस माह के अंत तक शेष पात्र बच्चों को भी भुगतान कर दिया जाएगा। बीएसए डॉ. कमलेंद्र कुशवाहा ने बताया कि 756 बच्चों के आधार का सत्यापन पूरा हो चुका है और इनके भुगतान की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। वहीं 6029 बच्चों का अब तक आधार नहीं बन पाया है।

इनके आधार पंजीकरण और अन्य औपचारिकताओं को पूरा कराने की तैयारी की जा रही है। इनको भी माह के अंत तक भुगतान करने की योजना है। डीबीटी कार्य में डाटा डबलिंग भी बड़ी चुनौती रही।

जिले में कुल 754 बच्चों के रिकॉर्ड में डबलिंग पाई गई है। इसके चलते इनके भुगतान को रोक दिए गए। स्कूल स्तर पर सत्यापन कर डाटा को ठीक कराने का कार्य किया जा रहा है। जैसे ही सत्यापन पूरा होगा, भुगतान जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह धनराशि बच्चों के बैग, स्वेटर, जूता-मोजा आदि खरीदने में खर्च होना है।

शोषण के विरूद्ध बच्चों के अधिकार विषय पर साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का किया गया आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद न्यायाधीश जे0पी0 यादव के निर्देशन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में डी0पी0 मेमोरियल पब्लिक स्कूल, करन चैराहा, सरांय अकिल तहसील चायल में शोषण के विरूद्ध अधिकार पॉश एक्ट व बच्चों के अधिकार विषय पर साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि शिविर में अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पूर्णिमा प्रांजल ने बच्चों को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान सहित अन्य विधियों व कानूनों, बाल अधिकारों और शोषण के विरूद्ध प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाल अधिकारों के हनन व बच्चों के शोषण से उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से गहरी चोट पहुंचती है, जिससे न केवल उनका स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास प्रभावित होता है, अपितु सीखने की क्षमता भी प्रभावित होती है। तहसीलदार चायल पुष्पेन्द्र गौतम ने शोषण के खिलाफ अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अधिवेशन किशोर न्याय अधिनियम और राष्ट्रीय बाल नीति आदि के अनुसार 18 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चों को बालक माना गया है। बच्चों को मारना, चिढ़ाना, मजाक करना एवं मजदूरी करवाना उनके साथ क्षल करना आदि जैसे कृत्य अपराध की श्रेणी में आते हैं। मिशन शक्ति केन्द्र से उप निरीक्षक यशवंती ने बच्चों को इन्टरनेट व सोशल मीडिया से दूर रहने और सूरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में स्कूल के प्रबन्धक डॉ0 भीष्म सिंह, प्रधानाचार्य नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, मैनेजिंग डाइरेक्टर अजीत सिंह, मंच संचालक नीलम सिह, विद्वान अधिवक्ता अतुल योगी एव पी0एल0वी0 अमरदीप उपस्थित रहें।

सड़क निर्माण में मानक की अनदेखी का दंश भुगत रहे राहगीर

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। देवीगंज पुलिस चौकी-कड़ा जमालरोड मार्ग से इस्माइलपुर सीएचसी तक लगभग 400 मीटर लंबी व सात मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण 15 दिन पूर्व कराया गया। मानक की अनदेखी होने से इस मार्ग से अस्पताल पहुंचने वाली प्रसूताओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। 15 दिन पहले इंटरलॉकिंग की जगह डामरयुक्त बनवाई सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा मनमानी बरती गई। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का आरोप है कि ठेकेदार ने मानक की घोर अनदेखी करते हुए न तो सड़क पर सही तरीके से रोड रोलर चलवाया और न ही सड़क की सतह को समतल किया।

इसके चलते सड़क जगह-जगह ऊंची व नीची बन गई है। इतना ही नहीं सड़क की जद में 11 हजार वोल्ट का विद्युत पोल भी खड़ा है और ठेकेदार ने सड़क बना डाला जो भविष्य में खतरा बन सकता है। इस्माइलपुर के सपा नेता मोमिन अंसारी, कड़ाधाम के अजय मोदनवाल, गोविंदपुर के संतोष जायसवाल और कमलेश यादव समेत अन्य लोगों ने आरोप लगाया कि सड़क पर नियमानुसार रोड रोलर न चलने से सड़क हिचकोले दिला रही है। जिस कारण एंबुलेंस से अस्पताल जाने वाली प्रसूताओं को झटके लग लग रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से ठेकेदार पर कार्रवाई करते हुए सड़क को दोबारा रोलर चलवाकर दुरुस्त कराने की मांग की है। मामले में एक्सईएन हरबंस सिंह से बात की गई तो उन्होंने साफ कहा कि यह निर्माण पीडब्ल्यूडी द्वारा नहीं कराया गया है बल्कि इसे विधायक निधि से बनवाया गया है। उधर, सिराथू विधायक प्रतिनिधि डॉ. मोहम्मद असलम ने बताया कि इस सड़क का निर्माण विधायक निधि से नहीं हुआ है। यदि सड़क निर्माण में अनदेखी की गई है तो विधायक द्वारा सड़क का निरीक्षण कराकर कार्रवाई कराई जाएगी।

जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में 33वे बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह का हुआ रंगारंग शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में गुरुवार को 33वें जनपद स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह का रंगारंग आगाज हुआ। दो दिन तक चलने वाले समारोह में ब्लॉकवार बच्चे विभिन्न खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। मुख्य अतिथि डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल ने समारोह का औपचारिक शुभारंभ बच्चों से मार्च पास्ट की सलामी लेकर व गुब्बारे हवा में छोड़कर किया। गत वर्ष की चैम्पियन बढ़नी विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय बैरिहवा की मोहिनी ने मशाल लेकर मैदान का एक चक्कर लगाया और मुख्य अतिथि को सौंपा। इस मशाल से मुख्य मशाल को प्रज्ज्वलित किया गया। जिला व्यायाम शिक्षिका सीमा द्विवेदी ने सभी को क्रीड़ा शपथ दिलाया। खुनियांव विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय करही खास, उस्का के कंपोजिट विद्यालय परसा खुर्द व नौगढ़ के कंपोजिट रेहरा व प्राथमिक बर्रोहिया खालसा के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम को खूब सराहना मिली। इन बच्चों को सांसद द्वारा नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बच्चों ने पीटी प्रदर्शन किया। सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में प्रतिभा की कमी नहीं है। बस उन्हें निखारने की जरूरत है। बच्चों के प्रदर्शन को देखकर लगता है कि शिक्षकों ने काफी मेहनत किया है। भाजपा सरकार ने बेसिक शिक्षा की बेहतरी के लिए विशेष प्रयास किए हैं। प्रतिभागी बच्चों एवं टीमों को सफलता की शुभकामनाएं दिया। बीइओ खुनियान्व महेंद्र कुमार ने अतिथियों ने स्वागत किया। बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए सभी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। बीके मिश्र के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल , जिला व्यायाम शिक्षक उपेंद्रनाथ उपाध्याय, समस्त बीईओ व जिला समन्वयक सहित राधेरमण त्रिपाठी, योगेंद्र पांडेय, रमेश मिश्र, इंद्रसेन सिंह, कलिमुल्लाह, जीशान खलील, सुधाकर मिश्र, इंद्रजीत यादव, रवींद्र गुर्जर ज्महेश कुमार , गुलाम हुसैन, अभय पांडेय, सुषमा सिंह, महेश कुमार, सत्येंद्र गुप्ता, लालजी यादव आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस कमेटी में खींचतान, छह पदाधिकारियों का इस्तीफा!

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कांग्रेस की जिला कमेटी में खींचतान मची हुई है। भीतरखाने सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। इसका परिणाम है कि जनपद स्तरीय छह पदाधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर दल के बड़े नेताओं की धड़कन बढ़ गई है। राजनीति के जानकार इस्तीफों को आने वाले चुनावों में पार्टी के लिए खतरे की घंटे बता रहे हैं। हालांकि, संगठन कोआर्डिनेटर ने सफाई पेश करते हुए डैमेज कंट्रोल का पूरा प्रयास किया है। कांग्रेस के जिला महासचिव बरसाती लाल पंडा, नसीम उद्दीन, संतोष शुक्ला, जिला सचिव बालेंद्र यादव, रामबाबू गौतम व आसिफ अल्वी ने गुरुवार को जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय को त्याग पत्र सौंपा।

इसमें कहा कि व्यक्तिगत कारणों से वह सभी अपने पद के दायित्वों का निर्वहन करने में असमर्थ हैं। इसलिए, पद से इस्तीफा दे रहे हैं। इस्तीफा देने वालों ने पार्टी या दलीय नेताओं पर किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है, लेकिन भीतर ही भीतर कई तरह की चर्चाएं हैं। सियासी गलियारों में चर्चा की जा रही है कि कौशाम्बी में कांग्रेस कई खेमे में बंट गई है। पार्टी में अनदेखी के कारण ही छह जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया है। वहीं, राजनीति के जानकारों का कहना है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले जनपद में कांग्रेस की जो स्थिति बन रही है, वह आने वाले किसी भी चुनाव के लिए ठीक नहीं है। कहीं न कहीं पार्टी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। पार्टी के ही एक नेता ने नाम नहीं छापने के आग्रह पर बताया कि कुछ असरदार नेताओं की मनमानी के कारण दल में खींचतान मची हुई है।

धार्मिक स्थल पर कब्जे के विरोध पर पीटा

कौशाम्बी। पिपरी थाने के तिलगोड़ी गांव में गुरुवार सुबह धार्मिक जमीन कब्जे का विरोध करने पर दबंग ने ग्रामीणों को मारपीट करने की धमकी दी। ग्रामीणों ने थाने जाकर मामले की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। तिलगोड़ी गांव निवासी अरशद खां, साबिद खां, शकील अहमद और सलमान खां के अनुसार गांव में एक पुरानी मस्जिद और मजार है। उसकी कुछ जमीन खाली पड़ी है जिसपर धार्मिक कार्यक्रम होता रहता है। पड़ोस के एक दबंग ने उस जमीन पर कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। सुबह यह देख गांववालों के होश उड़ गए।

विधायक ने 6 दिवसीय मेले का किया उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के लोटन ब्लाक क्षेत्र के सिकरी बाजार में लगने वाले 6 दिवसीय भव्य वार्षिक मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि सदर विधायक श्यामधनी राही द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर सदर विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि यह मेला न केवल हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करता है, बल्कि युवाओं में संस्कृति और परंपरा के प्रति सम्मान की भावना विकसित करता है। ये मेला एक ऐसा मंच हैं जो रोजगार के अवसर पैदा करता है, युवाओं को स्वावलंबी बनाता है और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख आशीष सिंह ने कहा कि यह मेला ऐतिहासिक है, जो की कई वर्ष पूर्व से लगातार लगते आ रहा है। और सांस्कृतिक विरासत को सम्भाल कर रखा है।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्रा ने मेला आयोजकों के प्रयासों की सराहना की जो मेले को सफल बनाने में निरंतर लगे हुए हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि वे इस मेले में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाएं।

मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष योगेन्द्र मौर्य उर्फ टाईगर ने बताया कि मेला 6 दिन तक चलेगा। इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष दृगनारायन सिंह, मेला अध्यक्ष योगेंद्र मौर्य उर्फ टाईगर, मेला प्रबन्धक मणिकांत शुक्ला, मण्डल महामन्त्री भाजपा रूद्र नारायण पाण्डेय, मेला कोषाध्यक्ष वजहुद्दीन, मेला सचिव रमेश पाण्डेय, सन्दीप मद्धेशिया, हीरालाल मद्धेशिया, राकेश पाण्डेय, फूलचन्द्र कन्नौजिया, डॉ. संजय शुक्ला, दूधनाथ यादव, मिथलेश तिवारी सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय प्रभारी अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के कई पटलों का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी नीति आयोग/अपर सचिव उर्वरक विभाग अनीता सी0मेश्राम द्वारा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के पास बने एएनएम सेन्टर का निरीक्षण किया गया। केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी नीति आयोग/अपर सचिव उर्वरक विभाग अनीता सी0मेश्राम द्वारा एएनएम सेन्टर में ट्रेनिंग के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके साथ ही आवासीय कक्ष को भी देखा गया। इसके पश्चात माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय मेडिकल कालेज का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी नीति आयोग/अपर सचिव उर्वरक विभाग अनीता सी0मेश्राम द्वारा इमरजेंसी वार्ड, पंजीकरण कक्ष, रेड जोन-येलो जोन वार्ड, एसएनसीयू, पीआईसीयू वार्ड को देखा गया। केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी नीति आयोग/अपर सचिव उर्वरक विभाग श्रीमती अनीता सी0मेश्राम द्वारा भर्ती मरीजों से वार्ता कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। भर्ती मरीजों द्वारा अवगत कराया गया कि दवायें एवं अन्य सुविधायें मिल रही है। प्राचार्य द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन लगभग 5000 ओपीडी होता है। नियमित जांच होता है तथा मरीजों का सही इलाज होता है।

इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल, प्राचार्य मेंडिकल कालेज डा0 राजेश मोहन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः- वि./ग.श.य./प्रयागराज/ई-टेंडर सूचना/2025/53 दिनांक- 12.11.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज** निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 04.12.2025 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम संख्या	निविदा संख्या	काम की लागत	बिड सिक्योरिटी
1	GSU-EL-WC-65-2025	₹ 37,22,362.67	₹ 74,500/-

कार्य का नामः "प्रयागराज डिवीजन में मुख्यालय के पत्र संख्या के अनुसार मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में 20% से अधिक संशोधन/परिवर्तन के कारण पनकीधाम स्टेशन पर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के संबंध में विद्युत कार्य, 02 ईसीयू (पूर्व और पश्चिम) के स्थानांतरण के कारण।"

कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह, **निविदा खुलने की तिथिः** 04.12.2025, समय-15.30 बजे। **नोटः** 1. उपरोक्त ई-निविदा की निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियों स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस प्रयोजन के लिए, विक्रेताओं को डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ आई आर ई पी एस वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. किसी भी कठिनाई के मामले में IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है।

2214/25 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सांसद कंगना राणावत और क्रिकेट स्टार कपिल देव 23 को आएंगे प्रयागराज

प्रयाग उत्थान समिति का डिजिटल सदस्यता अभियान में होंगे शामिल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में 23 नवंबर को प्रयाग उत्थान समिति का डिजिटल सदस्यता अभियान उत्तर मध्य संस्कृतिक केंद्र के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम में सांसद एवं सिने अभिनेत्री कंगना राणावत और क्रिकेट स्टार कपिल देव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और डिजिटल सदस्यता अभियान का शुभारंभ करेंगे और समाज सेवा, और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पित होने का संदेश देंगे समिति के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर समिति के सभी नव नियुक्त सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

यदुपति सिंघानिया मेमोरियल स्क्वॉश ओपन 2025 सफलतापूर्वक संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। चार दिनों तक चली रोमांचक और उच्च स्तरीय स्क्वॉश प्रतियोगिताओं के बाद यदुपति सिंघानिया मेमोरियल स्क्वॉश ओपन 2025 का पहला संस्करण 20 नवम्बर 2025 को अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, प्रयागराज में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस राष्ट्रीय सर्किट टूर्नामेंट के प्रथम आयोजन में 11 श्रेणियों में कुल 219 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिसमें 21 राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया–जो उत्तर प्रदेश स्क्वॉश रैकेट्स एसोसिएशन (यूपीएसआरए) के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह चैम्पियनशिप स्व. यदुपति सिंघानिया की स्मृति को समर्पित है, जिनकी खेलों एवं युवा विकास के प्रति गहरी प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है।

पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय प्रभाव छोड़ा, जो यूपीएसआरए द्वारा राज्य में किए जा रहे जमीनी स्तर के विकास कार्यों का प्रमाण है।

माधव कृष्ण सिंघानिया, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश स्क्वॉश रैकेट्स एसोसिएशन (यूपीएसआरए) 'यदुपति सिंघानिया मेमोरियल स्क्वॉश ओपन के प्रथम संस्करण की सफलता अत्यंत प्रेरणादायक है। 21 राज्यों की भागीदारी और खिलाड़ियों का प्रतिस्पर्धी उत्साह यह दर्शाता है कि भारत में स्क्वॉश का भविष्य उज्ज्वल है। उत्तर प्रदेश के लिए यह आयोजन एक बड़ी प्रगति है और स्व. यदुपति सिंघानिया की खेल प्रति समर्पित

भावना को सच्ची श्रद्धांजलि है।'

विनय पांडे, सचिव, यूपीएसआरए ने अपने धन्यवाद उद्बोधन मे 'पहले संस्करण को मिली अभूतपूर्व प्रतिक्रिया ने हमें अत्यधिक प्रोत्साहित किया है। आयोजन का स्तर, खिलाड़ियों का प्रदर्शन और उत्साह इस बात की पुष्टि करता है कि यूपीएसआरए उत्तर प्रदेश में स्क्वॉश के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह आयोजन आने वाले वर्षों के लिए एक सशक्त आधार स्थापित करता है और स्व. यदुपति सिंघानिया के युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाने के सपने को आगे बढ़ाता है।'

यूपीएसआरए अपने अध्यक्ष माधव सिंघानिया के प्रति आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने घोषणा की है कि शीघ्र ही यूपीएसआरए के अपने स्क्वॉश ग्लास-बैक कोर्ट कानपुर में विकसित किए जाएंगे। भूमि का चयन हो चुका है और उत्तरायण में भूमि पूजन किया जाएगा। यूपीएसआरए देश की पहली एसोसिएशन होगी जिसके अपने स्क्वॉश कोर्ट होंगे।

इस मौके पर संघ के उपाध्यक्ष उल्लास वाही ने अपनी माता स्वर्गीय स्वर्णा वाही एवं पिता स्वर्गीय ऐ पी वाही की स्मृति में राष्ट्रीय खेल, राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विजेता उपविजेता अथवा तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने पर 75000, 50000 एवं 25000 रूपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

उन्होंने इस प्रतियोगिता के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाने वाले सभी निर्णायकों को, आयोजित आए हुए सभी खिलाड़ीयो को उनके साथ आए अभिवावको को धन्यवाद दिया।

उन्होंने विशेष रूप से रीजनल स्पोर्ट्स ऑफिसर प्रेम कुमार, डिप्टी स्पोर्ट्स ऑफिसर मोहित गुप्ता एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के सभी कर्मचारियों खिलाड़ियों को इस आयोजन में संभव सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकसित राज्य की उड़ान भरेगा : भाजपा

बिहार के दसवीं बार मुख्यमंत्री बनने पर भाजपाइयों ने नितीश कुमार को और उप मुख्यमंत्री बनने पर सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को दी बधाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भाजपाइयों ने बिहार के दसवीं बार मुख्यमंत्री बनने पर नितीश कुमार को और सम्राट चौधरी उप मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। बधाई देते हुए महापौर गणेश केसरवानी एवं महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता , गंगा पार जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान यमुना पार जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बिहार उन्नति और प्रगति की ऊंचाइयों को छुएगा और विकसित राज्य की उड़ान भरेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार रूप देते हुए बिहार एक सक्षम आधुनिक और तेसे प्रगतिशील राज्य बनने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। भाजपा मुट्ठीगंज मंडल कार्यालय में बधाई देते प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने कहा कि अब बिहार पुराना बिहार नहीं रहेगा। आधुनिक युग का राज्य बनकर उभरेगा। इस अवसर पर बिहार के सभी नवनिर्वाचित कैबिनेट मंत्री को भी बधाई दी गई।

बधाई देने वालों कुंज बिहारी मिश्रा वरुण केसरवानी राजेश केसरवानी, रमेश पासी, शैलेश पांडे, पार्षद किरन जायसवाल, विवेक अग्रवाल, प्रमोद मोदी, राम लोचन साहू, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, विजय पटेल, विश्वास श्रीवास्तव, सुनील केसरवानी शत्रुघ्न जायसवाल, श्रेष्ठ चौरसिया, नीरज केसरवानी, दीपक केसरवानी, अजय अग्रहरि कमलेश केशरवानी हिमालय सोनकर बब्बन प्रजापति आदि सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

नगर निगम द्वारा प्री-टेस्ट कार्यों का किया गया निरीक्षण, दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण– मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के पूर्व परीक्षण (प्री-टेस्ट) का कार्य 10 से 30 नवंबर, 2025 के मध्य नगर निगम प्रयागराज के चयनित जोन 2, 4 एवं 8 में संचालित किया जा रहा है ।

श्रीमती शीतल वर्मा, निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश ने प्रयागराज नगर निगम के जोन 8 में प्री-टेस्ट कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र का भ्रमण कर प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों द्वारा सूचीबद्ध कुछ मकानों का दौरा किया तथा मोबाइल ऐप के माध्यम से किए जा रहे डेटा संग्रहण की गुणवत्ता और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने फील्ड में आ रही तकनीकी एवं प्रचालन संबंधी समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए ।

निदेशक महोदया ने प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने पर बल दिया तथा संबंधित अधिकारियों को फील्ड कार्य में आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए ।

निरीक्षण के दौरान राजीव शुक्ला, अपर नगर आयुक्त; सुदर्शन चंद्रा, जोनल अधिकारी (जोन 8)/चार्ज अधिकारी; एस. एस. शर्मा, संयुक्त निदेशक; हेमंत वर्मा, उप निदेशक तथा रितुल कमल, जनगणना निदेशालय उपस्थित रहे ।

महिला सेवा सदन इंटर कॉलेज में नव ज्योतिका वार्षिकोत्सव का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महिला सेवा सदन इंटर कॉलेज प्रयागराज में नव ज्योतिका वार्षिकोत्सव विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजना सिंह सेंगर के निर्देशन एवं संरक्षण में एवं समाज सेविका, संयोजिका विद्यालय के प्रबंधक की पुत्री सुपूर्वीका अग्रवाल की गरिमामई उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि इनर व्हील क्लब प्रयागराज मिड टाउन की अध्यक्ष श्रीमती विनती अग्रवाल, सचिव श्रीमती आंचल शाह, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी पायल सिंह एवं विद्यालय के प्रबंधक संजय अग्रवाल की धर्मपत्नी संगीता अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलन करके हुआ। विद्यालय की छात्राओं द्वारा सर्वप्रथम स्वागत नृत्य प्रस्तुत करके सुधि जनों का स्वागत किया गया। प्रवक्ता डॉ0 प्रेमलता गौतम ने वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से विद्यालय की गतिविधियों से परिचित कराया।

जूनियर मे हिंदी विभाग रंजना तिवारी अंग्रेविभाग अनन्या चटर्जी की सहभागिता से रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सीनियर में बांग्ला नृत्य , असमिया नृत्य, प्रवक्ता श्रीमती सोमा सरकार, सौम्या मालवीय के मार्गदर्शन में कराया गया।

'राम आएंगे तो' भावपूर्ण संगीत से पीदटीद श्रीमती अनुराधा श्रीमती शोभा के नेतृत्व में कराया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ज्योत्सना ओझा द्वारा , धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा संपन्न किया गया। महिला सेवा सदन डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्या डॉ0अमिता शुक्ला एवं विद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

नियामक आयोग ने अदाणी पावर से 1500 मेगावाट बिजली खरीद प्रस्ताव पर लगाई रोक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विद्युत नियामक आयोग ने नाराजगी जाहिर करते हुए अदाणी के पॉवर प्लांट से बिजली खरीद प्रस्ताव पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। आयोग ने फिक्स और वेरिएबल चार्जों में गड़बड़ी को लेकर नाराजगी जताते हुए इस प्रस्ताव पर रोक लगाई है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त समिति ने यह जानकारी देते हुए कहा कि ग्रांट थॉर्टन अदाणी पॉवर का कंसल्टेंट भी है। ऐसे में ग्रांट थॉर्टन द्वारा बनाए गए निजीकरण के प्रस्ताव को भी रद्द किए जाने की मांग की है।

संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने कहा कि राज्य विद्युत नियामक आयोग ने फिक्स और वेरिएबल चार्जेज में भारी गड़बड़ी को लेकर अदाणी पॉवर से 1500 मेगावाट बिजली खरीद के प्रस्ताव पर रोक लगा दी है। आयोग ने पावर कार्पोरेशन प्रबंधन से कहा है कि अदाणी पावर को भी इस केस में पार्टी बनाते हुए 18 दिसंबर तक एफजीडीएस संयंत्र न लगने पर बिजली खरीद की घटी कीमत का प्रस्ताव दाखिल करने का आदेश दिया है।

इविवि और गंगानाथ झा छात्रावास के पूर्व मेधावी अंतःवासी सुधीर कुमार सिंह ने आयरनमैन 70.3 गोवा पूरा कर रचा इतिहास

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) और सर गंगानाथ झा छात्रावास के पूर्व मेधावी अंतःवासी और भारतीय रेल यातायात सेवा 2010 बैच के अधिकारी सुधीर कुमार सिंह ने भारत की सबसे कठिन ट्रायथलॉन प्रतियोगिताओं में शुमार आयरनमैन 70.3 गोवा को सफलतापूर्वक पूरा कर जिले के साथ-साथ भारतीय रेलवे का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को 1.9 किमी समुद्र में तैराकी, 90 किमी साइकिलिंग और 21 किमी हाफ मैराथन जैसे तीन चुनौतीपूर्ण चरणों से गुजरना होता है, जिसमें खड़ी चढ़ाइयाँ, तेज गर्मी और भारी आर्द्रता जैसी कठिन परिस्थितियाँ प्रतिभागियों की शारीरिक सहनशक्ति और मानसिक दृढ़ता की कड़ी परीक्षा लेती हैं।

सुल्तानपुर में दूबेपुर ब्लॉक के पुरे केशवराय बहरौली गांव के निवासी तथा अधिवक्ता शीतला प्रसाद सिंह के पुत्र सुधीर कुमार सिंह ने यह चुनौती केवल 6 घंटे 27 मिनट में पूरी कर अपनी फिटनेस, अनुशासन और अदम्य इच्छाशक्ति का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वर्तमान में उत्तर रेलवे मुख्यालय, दिल्ली में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक(माल) के पद पर कार्यरत सिंह इलाहाबाद विश्वविद्यालय और प्रतिष्ठित सर गंगानाथ झा छात्रावास के पूर्व मेधावी अंतःवासी रहे हैं और छात्र जीवन

से ही उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन तथा अनुशासन के लिए जाने जाते रहे हैं। गोवा में आयोजित इस विश्वस्तरीय प्रतियोगिता में देश-विदेश के सैकड़ों प्रतिभागियों के बीच उनकी सफलता से पूरे सुल्तानपुर जिले में खुशी की लहर है। परिवार, स्थानीय लोगों और रेलवे साथियों ने गर्व जताते हुए कहा कि सुधीर ने कड़ी मेहनत, समर्पण और मानसिक दृढ़ता के बल पर एक ऐसा लक्ष्य हासिल किया है, जो युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से कोई भी चुनौती असंभव नहीं होती।

आयरनमैन 70.3 गोवा में उनका प्रदर्शन न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि उनके गांव, जिले और भारतीय रेलवे परिवार के लिए सम्मान और गर्व का क्षण भी है, जो युवा पीढ़ी को स्वास्थ्य, फिटनेस और अनुशासित जीवनशैली की ओर प्रेरित करता है।

इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज को मिली अंग्रेजी माध्यम में 12वीं तक मान्यता

मंत्र भारत संवाददाता

कौंधियारा, प्रयागराज। यमुनापार स्थित श्रीमती इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज पटेलनगर अकोढ़ा को कक्षा 12 तक अंग्रेजी माध्यम की मान्यता मिलते ही क्षेत्र भर में हर्ष और उत्साह का माहौल बन गया। ग्रामीण अंचल में पहली बार मिली इस सुविधा को अभिभावकों और छात्रों ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम बताया है। उनका कहना है कि अब बच्चों को उच्च स्तरीय अंग्रेजी शिक्षा के लिए शहरों या दूर-दराज के स्कूलों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे समय, धन और यात्रा का दबाव काफी कम होगा। इस निर्णय से स्थानीय प्रतिभाशाली छात्रों को घर के निकट ही उन्नत शैक्षिक वातावरण, बेहतर संसाधन और भविष्य निर्माण के नए अवसर मिलेंगे। प्रधानाचार्य अमित पांडेय ने जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पी.एन. सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कॉलेज में स्मार्ट क्लास, आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को उत्कृष्ट एवं प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

एयरफोर्स के कमांड हाउस के पास कार में लगी आग

प्रयागराज। बमरौली स्थित एयरफोर्स के कमांड हाउस से कुछ ही दूरी पर खड़ी एक कार में गुरुवार को अचानक आग लग गई। कार में आग लगी देखकर हडकंप मच गया। सेना की दमकल टीम और पूरामुफ्ती पुलिस ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कार जलकर नष्ट हो चुकी थी। कार किसकी थी, अभी कोई सामने नहीं आया है। प्रयागराज-कानपुर हाईवे के एक लेन पर कार में अचानक आग लगने से कुछ देर तक यातायात भी बाधित रहा। पूरामुफ्ती थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि कार में आग लगने से कोई जनहानि नहीं हुई है। जली कार को बमरौली चौकी के पास खड़ी करा दी गई है।

युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा मेजा विधानसभा की खेल स्पर्धा सम्पन्न

सोरांव यूथ क्लब की वॉलीबाल टीम बनी विधायक खेल स्पर्धा की चैंपियन

मंत्र भारत संवाददाता

मेजा। विधायक खेल स्पर्धा 20 नवम्बर को दुर्गावती इंटरनेशन स्कूल गोशौरकला, मेजा, प्रयागराज में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी, जूडो और फुटबॉल पांच विधाओं में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष यमुनापार, प्रयागराज राजेश शुक्ल जी द्वारा किया गया। जिलाध्यक्ष जी ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अधिक से अधिक खिलाड़ियों को तैयार करना है, यह पहल सिर्फ खेल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों के समग्र व्यक्तित्व विकास पर भी आधारित है। खिलाड़ी अब मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण, चोट प्रबंधन कार्यक्रम और पोषण संबंधी सलाह भी प्राप्त करेंगे। वहीं 200मीटर दौड़ जूनियर वर्ग पुरुष में इमरान अली एवं सीनियर वर्ग दौड़ में विशाल कुमार प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में सीनियर वर्ग महिला में आंचल सोनकर तथा 400 मीटर में स्वाती प्रथम स्थान और बालक वर्ग में 400 मीटर सीनियर वर्ग में रितेश कुशवाहा प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही जुनियर बालिका कबड्डी टीम में गीता क्लब मांडा

विजेता तथा सुहानी पटेल क्लब उपविजेता रही।

वॉलीबाल जूनियर व सीनियर वर्ग में सोरांव यूथ क्लब विजेता तथा उचडीह उपविजेता रही। विजेता तथा उपविजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि जी द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। उक्त अवसर पर कार्यक्रम में राणा सेठ अध्यक्ष सिरसा, पुष्कर त्रिपाठी महामंत्री, संयोजक लोक सभा यमुनापार प्रकाश प्रचंड शुक्ल, जगत पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष शैलेश पांडेय, अमरेश तिवारी, मुकेश शुक्ल, चंद्रशेखर, अर्जुन सिंह, स्वतंत्र मिश्रा जी प्रबंधक दुर्गावती इंटरनेशन स्कूल गोशौराकला, मेजा, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी संतोष सिंह, श्रीमती देवांशिका सिंह, अजय पटेल, लुक्ष्मी जी तथा पीआरडी जवान आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर जिला वॉलीबाल संघ प्रयागराज के महासचिव आर.पी. शुक्ला, बार एसोसिएशन मेजा के पूर्व अध्यक्ष तुलसीदास तिवारी, खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा व भाजपा नेता दिलीप शुक्ला ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किया।

बिहार में नई सरकार बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ मनाया जश्न

मंत्र भारत संवाददाता

कौंधियारा, प्रयागराज। बिहार में गुरुवार को नई सरकार के गठन के बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रदेशभर में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। इसी क्रम में भाजपा राष्ट्रीय नीति एवं शोध विभाग के प्रदेश सह-संयोजक अंगद सिंह पटेल के नेतृत्व में भी कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर खुशी का इज़हार किया।

जश्न के दौरान भाजपा समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और नई सरकार बनने को प्रदेश के विकास के लिए सकारात्मक कदम बताया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि नई सरकार से जनता को बेहतर शासन, सुरक्षा और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की उम्मीद है। कार्यक्रम में सुभाष गुप्ता, घनश्याम मौर्य, गया प्रसाद, आनंद मिश्रा, मंजेश श्रीवास्तव, दिनेश सिंह पटेल, राम लखन विश्वकर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस मौके पर भाजपा नेताओं ने कहा कि नई सरकार के गठन से राज्य में विकास की गति तेज होगी और कमजोर वर्गों तक योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंचेगा। साथ ही सभी ने संगठन को मजबूत करने और जनता तक सरकार की नीतियों को पहुंचाने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय

टूटे भरोसे को जोड़ने की कोशिश अंगदान नियमों में बदलाव से जीवन बचाने की उम्मीद को नया सहारा

अंगदान से किसी को भी नया जीवन दिया जा सकता है, इसलिए इसे महादान कहा जाता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। मगर भारत में अंगदान और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। दानदाताओं की कमी और बुनियादी व्यवस्था का अभाव सबसे बड़ा संकट है। समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकारी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। दूसरी ओर, अंगदान की वैधता और गैर वैधता को लेकर कानून बनाया गया है, लेकिन यह देश के तमाम राज्यों में न तो समान रूप से लागू हो पाया है और न ही इस पर कड़ाई से अमल हो पा रहा है। यही वजह है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने अंगदान और इसके आबंटन एवं प्रत्यारोपण के लिए एक पारदर्शी और सक्षम प्रणाली बनाने के लिए केंद्र सरकार को राज्यों के परामर्श से एक राष्ट्रीय नीति तथा समान नियम बनाने के निर्देश दिए हैं। शीर्ष अदालत ने अंगदान करने वालों को शोषण और उत्पीड़न से बचाने के वास्ते हर स्तर पर पुख्ता बंदोबस्त करने के लिए भी कहा है।

देश में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 में मौजूदा समय के हिसाब से संशोधन किए गए हैं। मगर कुछ राज्यों ने इन संशोधनों पर अभी तक अमल नहीं किया है। इनमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे कई राज्य शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि अंगदान और प्रत्यारोपण को लेकर विभिन्न राज्यों के नियमों में समानता नहीं है। इसका खमियाजा न केवल अंगदाताओं, बल्कि प्रत्यारोपण का इंतजार करने वाले मरीजों को भी भुगतना पड़ता है। यही वजह है कि देश में इस संबंध में राष्ट्रीय नीति की जरूरत महसूस की जा रही है। शीर्ष अदालत ने नई नीति में अंग प्रत्यारोपण के लिए आदर्श आबंटन मानदंड निर्धारित करने को कहा है। साथ ही इस बात को भी रेखांकित किया है कि इसमें लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्यवार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए अंगदाताओं के वास्ते एक समान नियम तय किए जाएं।

अंगदान में कमी और प्रत्यारोपण से जुड़ी समस्याओं के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। इनमें जागरूकता की कमी, पारिवारिक सहमति का अभाव, नैतिक एवं सांस्कृतिक बाधाएं, विशेष चिकित्सा पेशेवरों की कम उपलब्धता, सीमित बुनियादी व्यवस्थाएं और अंगों की कालाबाजारी शामिल हैं। केंद्र सरकार की एक रपट के मुताबिक, देश में अंग प्रत्यारोपण की संख्या वर्ष 2013 में 4, 990 से बढ़कर 2023 में 18, 378 हो गई, फिर भी अंगदान की दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर एक से भी कम है।

इससे साफ है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने के वास्ते व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। साथ ही अंगों की कालाबाजारी कर मुनाफा कमाने की गतिविधियों पर भी पूरी तरह रोक लगानी होगी। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि जरूरतमंद का वैध तरीके से ही अंग प्रत्यारोपण हो और किसी अंगदाता के साथ धोखाधड़ी या उसका उत्पीड़न न हो।

इसके अलावा अंगों को निकालने, संग्रहीत करने और उन्हें समय पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यारोपण के लिए पहुंचाना भी एक बड़ी चुनौती है। देश में अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया के लिए बहुत कम अस्पताल पंजीकृत हैं। साथ ही अंगों को दूसरी जगह पहुंचाने के लिए परिवहन व्यवस्था और पेशेवर कर्मियों का भी खासा अभाव है। ऐसे में राष्ट्रीय नीति के जरिए ही इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

फसल बर्बाद, मुनाफा बरकरार आखिर किसके लिए बनी थी फसल बीमा योजना?

फसल बीमा योजना का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की संपूर्ण भरपाई करना है, मगर जमीनी हकीकत इससे उलट दिखाई देती है। फसल बर्बादी के बाद किसान राहत की उम्मीद में भटकता है, राज्य सरकारें केंद्र से वित्तीय सहायता की गुंजाइश तलाशती हैं, जबकि बीमा कंपनियां निश्चिंत रहती हैं कि 'बीमा शर्तों' के कारण प्रारंभिक या आंशिक नुकसान पर उन्हें भुगतान नहीं करना है।

अतिवृष्टि और बाढ़ से इस बार पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के अनेक जिलों में खरीफ की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुईं। ऐसी स्थिति में फसल बीमा किसानों के लिए सहारा होना चाहिए था, मगर यह राहत के बजाय चिंता का कारण बन रहा है। बीमा कंपनियों को प्रीमियम के तौर पर किस्तों में पूरा भुगतान करने के बावजूद सरकार को किसानों के लिए राहत राशि बांटने को मजबूर होना पड़ रहा है।

वर्ष 2016 में शुरू हुई 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' में हर वर्ष किसान हितग्राहियों की संख्या बढ़ी है। इसका एक कारण यह है कि बैंक ऋण लेने पर बीमा अनिवार्य है। दूसरा, इस बीमा के प्रचार में मात्र दो फीसद प्रीमियम पर किसानों को संपूर्ण फसल सुरक्षा का वादा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में लगभग 4.19 करोड़ ऋणी किसान और 5.22 करोड़ गैर-ऋणी किसान फसल बीमा योजना से जुड़े हैं। योजना के अनुसार किसान केवल दो फीसद तक प्रीमियम देता है, जबकि शेष 98 फीसद हिस्सा केंद्र और राज्य सरकार समान रूप से वहन करती हैं। इस वर्ष केंद्र सरकार

ने 14, 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया और लगभग इतनी ही राशि राज्यों ने भी बीमा कंपनियों को दी है। मगर आश्चर्य यह है कि इतने भारी सरकारी निवेश के बावजूद प्रभावित किसानों को उनकी पिछली फसलों में वास्तविक नुकसान का दस फीसद से भी कम मुआवजा मिला है।

पूर्व में फसल नुकसान का मूल्यांकन 'फसल कटाई प्रयोग' के माध्यम से तहसील स्तर पर किया जाता था। तीन वर्ष के औसत उत्पादन के आधार पर क्षतिपूर्ति तय होती थी। लेकिन इस पद्धति में राजस्व अमले और बीमा कंपनियों के बीच सांठगांठ से आंकड़े अक्सर किसानों के खिलाफ जाते थे–औसत उत्पादन जानबूझकर कम दर्शाया जाता, जिससे मुआवजा घट जाता था।

कृषि मंत्रालय ने इस व्यवस्था को सुधारने के लिए उपग्रह आधारित फसल आकलन प्रणाली लागू की है। उपग्रह से ली गई तस्वीरों से प्रत्येक किसान के खेत का विश्लेषण कर फसल क्षति का निर्धारण किया जाता है। इसी प्रणाली के आधार पर अगस्त 2025 में गत फसल के लिए देशभर के लगभग तीस लाख प्रभावित किसानों को 3, 200 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। इसमें राजस्थान के किसानों को 1, 120 करोड़, मध्यप्रदेश को 1, 156 करोड़, छत्तीसगढ़ को 150 करोड़ और शेष अन्य राज्यों को 778 करोड़ रुपए दिए गए।

मगर यह राहत किसानों के लिए मरहम के बजाए उनके घावों पर नमक छिड़कने का काम कर रही है। अनेकों पीड़ित किसानों को सिर्फ सौ रुपए से लेकर दो हजार रुपए तक की बीमा राहत राशि उनके बैंक खातों में पहुंचाई गई है। कुछ किसानों को दी गई राशि उनके द्वारा अदा की गई प्रीमियम की दो फीसद रकम से भी कम है।

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के कुंवरहटा गांव में सभी प्रभावित किसानों के खातों में कुल सत्रह रुपए का ही भुगतान हुआ है। जबकि महाराष्ट्र के शिलोत्तर गांव के एक किसान के खाते में बीमा कंपनी ने ग्यारह एकड़ धान की फसल की क्षतिपूर्ति राशि सिर्फ दो रुपए तीस पैसे जमा कराई है।

उपग्रह तस्वीरों में खेतों की हरी-भरी फसलें दिख जाती हैं, लेकिन यह अंतिम उत्पादन का आकलन नहीं कर पातीं। असल नुकसान तब पता चलता है जब फसल से दाने और भूसे को अलग किया जाता है। जब दाना कम और भूसा ज्यादा निकलता है तो किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। यह समस्या फसल क्षति का बड़ा कारण होती है, जिसका आकलन उपग्रह प्रणाली से करना संभव नहीं हो पाता। यही वजह है कि आकलन में कई विसंगतियां सामने आती हैं और किसानों को वास्तविक नुकसान के अनुपात में बीमा राशि का भुगतान नहीं मिल पाता।

हाल के दिनों में अतिवृष्टि और बाढ़ से हुए फसल नुकसान के बीमा कंपनियों की परिधि में न आने की निराशाजनक शर्तों के बाद कई राज्य सरकारें अपने स्तर पर किसानों को राहत दे रही हैं या केंद्र सरकार से वित्तीय पैकेज मांग रही हैं। फसल बीमा कंपनियां केवल अंतिम उत्पादन पर नुकसान की सामूहिक भरपाई उत्पादन में गिरावट के आकलन से करती हैं। लेकिन हाल में फसलों को हुआ नुकसान प्रारंभिक अवस्था का है, इसलिए बीमा कंपनियां राहत देने से साफ बच रही हैं।

पंजाब सरकार ने 23.81 लाख प्रभावित किसानों को नुकसान की भरपाई के लिए 1, 623.51 करोड़ रुपए की राहत राशि वितरित की। महाराष्ट्र सरकार ने 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में नुकसान के लिए 1, 356.30 करोड़ रुपए जारी किए। अन्य राज्य नुकसान आकलन की प्रक्रिया में हैं। देखा जाए तो यह बेहद चिंताजनक है कि जब सरकारें प्रीमियम के रूप में अरबों रुपए बीमा कंपनियों को दे रही हैं और कंपनियां संपूर्ण सुरक्षा कवच देने का दावा करती हैं, इसके बावजूद सरकार किसानों को अलग से राहत राशि देने को बाध्य है।

ऐसे में फसल बीमा योजना का वास्तविक औचित्य क्या रह जाता है? क्या यह योजना किसानों से अधिक बीमा कंपनियों को लाभ पहुंचाने का माध्यम बन गई है? शुरुआत से अब तक के आंकड़े बताते हैं कि बड़ी से बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में किसानों की फसलें नष्ट होने के बाद भी संबंधित बीमा कंपनियां कभी भी लाभ से वंचित नहीं रही हैं।

ऐसे में फसल बीमा योजना में कुछ आवश्यक सुधारों की जरूरत है। व्यक्तिगत खेत स्तर पर वास्तविक आकलन में फसल नुकसान का निर्धारण केवल उपग्रह से नहीं, बल्कि भौतिक सत्यापन और उपज परीक्षण से भी होना चाहिए। बीमा कंपनियों की जवाबदेही तय करने के लिए भुगतान में अनुचित कटौती पर आर्थिक दंड लगाने की व्यवस्था होनी चाहिए। राज्य स्तर पर पारदर्शी पोर्टल बने, ताकि किसान अपने नुकसान और भुगतान की स्थिति ऑनलाइन देख सके।

प्रीमियम की समीक्षा करना भी जरूरी है। प्रीमियम के अनुपात में न्यूनतम गारंटीड मुआवजा कानूनी रूप से तय किया जाए। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा और प्रारंभिक फसल क्षति को भी बीमा योजना में शामिल करना अनिवार्य हो।

फसल बीमा का उद्देश्य किसानों को संकट से उबारना है, न कि उन्हें बीमा कंपनियों के जाल में फंसाना। करोड़ों रुपए का प्रीमियम देने के बाद भी जब किसान को न राहत मिलती है, न भरोसा, तो यह नीति सुधार की मांग बन जाती है। अब जरूरत है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस योजना की समीक्षा करें, ताकि यह बीमा कंपनियों का सुरक्षा कवच नहीं, बल्कि किसानों की वास्तविक वित्तीय ढाल बन सके।

कला दिलों को जोड़ती है, एक कलाकार की संवेदनशील दुनिया से जीवन को सीखने वाली कहानी

जब भी हम कला और उसके कलाकार के बारे में सोचते हैं, हमारे मन में कई छवियां उभरने लगती हैं। हमें कला के विभिन्न रूप अनूठे, उत्कृष्ट और विशिष्ट लगने लगते हैं, फिर चाहे वह चित्रकारी, गीत, गायन, लेखन, नृत्य, नाटक जैसी अनगिनत विधाएं हों। कलाकार की मेहनत और उसके समर्पण भाव से जीवंत हुई हर कृति हमें चकित कर देती है।

वास्तविक या सपनीली दुनिया को कैनवास पर या मंच पर उकेरता या रेखांकित करता कलाकार जब अपनी नैतिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहता है, तब वह बिना किसी हथियार और बल के अपनी संवेदनाओं की प्रभावी अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज में सकारात्मक क्रांति लाने में सक्षम हो जाता है। वह कभी शोषितों की आवाज बनकर न्याय के रंगों से पूरा कैनवास भर देता है, तो कभी सभागार कंपित हो जाता है उसकी ऊंची पुकार से।

यह कला है या जिद है कलाकार की कि वह निस्वार्थ भाव से चाहता है दुनिया को सुंदर रंगों से भर देना, मीठी सुरीली तान में सबको एक सुर में बांधकर। देखना चाहता है सबको एक साथ हंसते-मुस्कुराते। वह लिखता है लगातार इस उम्मीद से कि किसी दिन उम्मीदों से भरे शब्द कागज के पन्नों से निकलकर उसके सामने जीवंत रूप में समाज में घुल-मिल जाएंगे। संवेदनाओं से भरा कलाकार मनुष्यता के उजले रंगों को संभाले रखने के लिए किसी सिपाही की तरह हमेशा डटा रहता है।

यही कारण है कि कलाकार किसी क्षेत्र या वर्ग का नहीं होता, वह सबका होता है और सबको अपना मानता है। आम इंसान भी अपने जीवन की जटिलताओं में व्यस्त होते हुए कला में सुकून पाता है।

कलाकार की यह संवेदनाओं से भरी दुनिया थोड़ी ज्यादा भली, स्वस्थ और सुरक्षित प्रतीत होती है। लगने लगता है कि अगर मनुष्य अपने सामान्य जीवन में भी इतना ठहराव ला सके कि उसका हर कदम और निर्णय गहराई लिए हो, तो आम इंसान की दुनिया भी किसी अर्थपूर्ण कृति की तरह ही सुंदर और स्वस्थ नजर आने लगेगी।

कलाकार और उसकी दुनिया को खिन्न कर देते हैं सांप्रदायिकता, क्रोध, भ्रष्टाचार और शोषण जैसे दुखद प्रसंग। आम इंसान और कलाकार की दुनिया की भिन्नता को खोजने की कोशिश करें, तो मालूम पड़ता है कि किसी भी सृजन के लिए बहुत अधिक समर्पण, अध्ययन और मेहनत लगती है। अपने ही बनाए पर बार-बार पुनर्विचार करना होता है, लेकिन क्या इसे भी भिन्नता माना जा सकता है?

आम जीवन के हर विचार को जो व्यक्ति गहराई से डूबकर और सबके हितों में सोचते हुए निर्णय लेता है, उसे भी तो कलाकार ही कहा जा सकता है। जो खुद के और दूसरों के जीवन में मधुर संगीत घोल दे, सही के पक्ष में हमेशा खड़ा रहे और गलत को गलत कहने का साहस रख सके, वह भी तो कलाकार ही है।

हर इंसान को कला और कलाकार का संसार कभी न कभी आकर्षित जरूर करता है, लेकिन यह मत हावी होने लगता है कि आम इंसान, जिसका जीवन मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में गुजर रहा है, उसका विषय कला कैसे हो सकता है। हां, अगर हुनर के जरिए अपने जीवन की आवश्यक जरूरतें पूरी होने लगें, व्यवसाय के रूप में परिवर्तित किया जा सके या फिर बेहद प्रतिभाशाली होने के कारण आर्थिक स्थिति मजबूत बन जाए या फिर कोई अन्य आय का जरिया हो, तो फिर सोचा जा सकता है।

इस विचारधारा के विपरीत, अनेक कठिनाइयों के बावजूद भी अक्सर कला तो जन्म ही वही लेती है, जहां विषमताओं के बाद भी थोड़ी-सी नमी बची रहती है, जो किसी व्यक्ति के भीतर की अच्छाई को लगातार सींचती रहती है। समानुभूति के बिना किसी भी कला को उकेरना कठिन है। यही कारण है कि हर कृति में कलाकार के जीवन के अलग-अलग पड़ाव की यात्रा भी होने लगती है।

जिसने जितनी गहराई में उतरकर जीवन का अनुभव किया है, उतनी ही कुशलता उसके काम में नजर आने लगती है। संभव है कि कला के माध्यम से हर इंसान के जीवन की आर्थिक स्थिति मजबूत न हो सके, पर यह भी निश्चित है कि कलात्मक सोच हमारे जीवन को हर परिस्थिति में निखार देती है।

कैनवास, मंच, कागज पर उकेरने से कहीं पहले कला का उद्गम हमारे मन में होता है, हमारे विचारों में। कलात्मक सोच हमें मजबूत, निष्पक्ष और स्वस्थ बनाती है। यह हमारे जीवन के लगभग हर पक्ष पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ती है। कलात्मक सोच के माध्यम से हम विकर्षणों से दूर, वापस अपने मूल स्वभाव पर लौटते हैं।

हम चीजों को गहराई से समझने लगते हैं। अपनी इंद्रियों का सही अर्थों में उपयोग कर रहे होते हैं। यह हमें कई बंधनों से मुक्त कर देती है। हम खुलकर प्यार कर पाते हैं, खुलकर रोते हैं, खुद को अभिव्यक्त करने का साहस जुटा पाते हैं–उन वास्तविक भावनाओं को सहज रूप से स्वीकार कर पाते हैं, जिन्हें अक्सर छिपा लिया जाता रहा है।

सबसे सुंदर और बहुमूल्य तोहफा जो कला हमें देती है, वह है एक अवसर, जब हम स्वार्थ पूर्ति के लिए बनी सभी रेखाएं मिटाकर एक साथ बैठते हैं, एक दिशा में देखते हैं, महसूस करते हैं, सीखते हैं, आनंदित होते हैं और आभार व्यक्त करते हैं कि सतही उजली दुनिया में भी हमने जमीनी संवेदनाओं के लिए छोटा-सा कोना सुरक्षित कर रखा है।

बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने खींच दी एक बड़ी लाइन, जिसे छोटा करना आसान नहीं!

कभी सुप्रसिद्ध समाजवादी विचारक किशन पटनायक ने कहा था कि विकल्पहीन नहीं है दुनिया, लेकिन बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने साबित कर दिया है कि कोई लाख चिल्ल-पों मचा ले, परंतु बिहार में मुख्यमंत्री बनने के लिए उनका कोई विकल्प नहीं है। ऐसा इसलिए कि बिहार के जागरूक मतदाताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों से बेदाग, सुशासन पसंद और राजनीतिक परिवारवाद के धुर विरोधी नीतीश कुमार का नेतृत्व ही पसंद है।

नीतीश कुमार एक बार बिहार के मुख्यमंत्री बने और 20 नवंबर 2025 को उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। इस बार उन्हें अभूतपूर्व जनादेश मिला है, जिससे तमाम कयासों को धत्ता बताकर वे पुनः मुख्यमंत्री बने हैं। इस प्रकार बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने एक वैसी बड़ी लाइन खींच दी है, जिसे छोटा करना उनके सियासी विरोधियों के लिए कतई आसान नहीं है।

हालांकि, अपने इस रिकॉर्ड को कायम करने के लिए उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई बार गठबंधन बदले हैं, जिसमें बीजेपी और महागठबंधन दोनों के साथ शामिल हुए हैं। वाकई नीतीश कुमार की राजनीति का मूल मंत्र व्यावहारिकता, लचीला गठबंधन और प्रशासनिक सुधार है, जिसके चलते वे बिहार की राजनीति के केन्द्रीय पात्र बने हुए हैं।

नीतीश कुमार के राजनीतिक बदलाव मुख्य रूप से सत्ता की भूख, सामाजिक परिवर्तन की इच्छा, गठबंधन रणनीति, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हुए हैं, जिन्होंने उन्हें बिहार की प्रमुख राजनीतिक शख्सियत बनाया है। नीतीश कुमार की राजनीति व्यावहारिकता, गठबंधन-केन्द्रित रणनीति और सुशासन के एजेंडे पर आधारित रही है, जहाँ वे विभिन्न दलों के साथ बार-बार गठबंधन बदलते हुए भी कई बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं।

यही वजह है कि नीतीश कुमार को बिहार में 'इच्छा शासन' का स्तंभ माना जाता है, और उन्होंने बिहार में सत्ता के महत्वपूर्ण मंत्रालयों पर नियंत्रण बनाए रखा है। यह सभी तथ्य नीतीश कुमार के राजनीतिक गाम्भीर्य और प्रशासनिक कौशल को दर्शाते हैं, विशेष रूप से बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका को दिखाते हैं। इनके प्रमुख फैसले लगातार गठबंधन राजनिति में संतुलन बनाना और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना रहे हैं।

बहरहाल, 2024 में वह बीजेपी के साथ फिर से गठबंधन कर एनडीए के तहत मुख्यमंत्री पद पर बने रहे। उनके राजनीतिक फैसलों में बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ कर महागठबंधन में शामिल होना, फिर से बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाना प्रमुख रहे। उन्होंने अपने प्रशासनिक फैसलों में सत्ता नियंत्रण बनाए रखने के लिए कई बार रणनीति बदली, जैसे गृह मंत्रालय अपने पास रखने का अभियान।

विधानसभा चुनाव 2025 में उनकी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जदयू की सीटें लगभग दोगुनी बढ़ीं और एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में गठबंधन सहयोगियों को संतुलित स्थान देने का निर्णय लिया। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए कई बार सरकार भंग की और गठबंधन बदला, जिससे उनकी सियासी मजबूती बनी रही।

देखा जाए तो नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक कैरियर में उनके रणनीतिक फैसलों, गठबंधन परिवर्तन, और समाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप उनके दृष्टिकोण में बदलावों का परिणाम रहे हैं।

पहला, शुरुआती राजनीति और जेपी आंदोलन से उदयनीतीश कुमार का राजनीतिक सफर जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्य से शुरू हुआ, और उन्होंने अपने शुरुआती करियर में समाजवादी विचारधारा को अपनाया। 1990 के दशक में उन्होंने जनता पार्टी / जनता दल के साथ मिलकर लोकशिक्षा व सामाजिक बदलाव पर फोकस किया।

दूसरा, पहली बार मुख्यमंत्री बनना (2000)ः तत्कालीन और भौतिक राजनीतिक माहौल में बिहार में शांति व विकास के रास्ते पर लाने के लिए उन्होंने बिहार में पहली बार मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन मात्र 7 दिनों के लिए सीएम बने थे।

तीसरा, महागठबंधन बनाम भाजपा समर्थक नीतिः 2005 में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के साथ गठबंधन किया, लेकिन 2013 में बीजेपी से नाता तोड़ सरकार से अलग हो गए, क्योंकि उन्हें लगा कि उनके सामाजिक-आर्थिक एजेंडे पर भाजपा की नीतियों में बाधाएँ आ रहीं हैं। इसके बाद, उन्होंने जदयू को महागठबंधन, विशेष रूप से राजद (लालू प्रसाद यादव) के साथ शामिल किया, जो उनकी राजनीतिक रणनीति में बड़ा बदलाव था।

चतुर्थ, भाजपा के साथ फिर से संधि और वापस सरकार में आनाः 2017 में, नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, जिसका मुख्य कारण सत्ता का स्थायित्व और बिहार में राजनीतिक स्थिरता था। इस निर्णय का कारण उनके दिल्ली और बिहार में होने वाले राजनीतिक दबाव, गठबंधन की राजनीतिक स्थिति, और बिहार में विकास की जरूरतें मानी जाती हैं।

पंचम, समाजिक सुधार और प्रशासनिक बदलावः व्यक्तिगत व्यवहार में सुधार, सामाजिक बदलाव, और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना उनके बदलाव का एक अहम पहलू रहा है, जिससे वे समाज में अपनी छवि को मजबूत करते गए हैं। कारणः राजनीतिक मजबूरियां, सत्ता बनाए रखना, सामाजिक आधार का विस्तार, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों ने उनके इन बदलावों को प्रेरित किया। भीड़-भाड़ वाले पहले गठबंधन से संवाद और वफादारी की कमी, और सियासी विकल्पों का ढलान, उन्हें नए राजनीतिक समीकरण बनाने पर मजबूर किया।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की विकास नीतियों का प्रभाव समग्र रूप से सकारात्मक और व्यापक रहा है। उन्होंने 'न्याय के साथ विकास' के सिद्धांत पर काम करते हुए राज्य के विकास के पहिये को तेजी से घुमाया है, खासकर समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है। इससे बिहार राज्य में आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

उनकी पॉलिसियों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, जैसे गांवों को जोड़ना, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, और योजना लाभों का व्यापक वितरण हुआ है। प्रशासनिक स्तर पर जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शिता के उपायों से भ्रष्टाचार कम करने और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिली है।

आर्थिक दृष्टिकोण से, बिहार ने खेती पर आधारित अर्थव्यवस्था के अलावा उद्योग और सेवा क्षेत्रों में भी विकास का रास्ता अपनाया है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक स्थिरता बढ़ी है। जीएसटी जैसे सुधारों का समर्थन कर राज्य ने वित्तीय अनुशासन बनाया और बहुआयामी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा है। हालांकि बिहार लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और संसाधनों की कमी की चुनौतियों से जूझता रहा, नीतीश कुमार की सरकारों ने इसे दूर करने के लिए कई सुधार लागू किए जिनका असर अब दिखने लगा है।

आज बिहार में सड़क निर्माण, सिंचाई योजनाओं और सामाजिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की गति तेज हुई है।इस प्रकार कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार की नीतियों ने बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है, और राज्य वर्तमान में विकास एवं आत्मनिर्भरता के पथ पर प्रभावी रूप से अग्रसर है। यह प्रभाव 2025 में भी चुनाव परिणामों और विकास परियोजनाओं में स्पष्ट दिखाई देता है।

पहला, गठबंधन आधारित राजनीतिः नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में भाजपा, राजद-कांग्रेस (महागठबंधन) और अन्य दलों के साथ कई बार गठबंधन बदले हैं। वे जिस भी खेमे में जाते हैं, वहाँ सत्ता का केंद्र बन जाते हैं और सरकार बना लेते हैं; इसका उद्देश्य सत्ता में बने रहना और अपनी पार्टी की प्रासंगिकता बनाए रखना है।

दूसरा, सुशासन और सामाजिक न्यायः उनकी छवि 'सुशासन बाबू' की रही है, जहाँ कानून व्यवस्था, महिलाओं के सशक्तिकरण, पब्लिक सर्विस डिलीवरी व सामाजिक-आर्थिक विकास पर बल दिया गया। पंचायत चुनावों में अति पिछड़ा वर्ग आरक्षण, महिला आरक्षण और कानून व्यवस्था के लिए तेज रिफॉर्म लागू किए। आधारभूत ढांचे का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार और अमल उनकी मुख्य उपलब्धियां हैं।

तीसरा, विचारधारा और नेतृत्व शैलीः नीतीश समाजवादी विचारधारा से निकले नेता हैं, लेकिन उनकी राजनीति जमीनी समझ, समय के अनुसार रणनीति बदलने और वास्तविकता पर टिकी है। विपक्ष की तुलना में वे लचीले, समन्वयकारी और हमेशा प्रासंगिक बने रहने को प्राथमिकता देते हैं।

यही नहीं, अपने शासन में उन्होंने बिहार में विकास योजनाओं पर जोर दिया है और संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने जैसी पहल की है। प्रशासनिक स्तर पर अपनी कैबिनेट का आकार छोटा रखा है लेकिन भविष्य में विस्तार की बात कही है और मंत्रिमंडल में नए चेहरों को जिम्मेदारी देने का संकेत दिया है। नीतीश कुमार की राजनीतिक चालाकी और गठबंधन प्रबंधन ने उन्हें मुख्यमंत्री पद पर कई बार बनाए रखा, साथ ही भाजपा के लिए बिहार में सत्ता की मजबूती का रास्ता खोला। दोनों के बीच संतुलन बना रहना बिहार की राजनीतिक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक माना जाता है।इस तरह, नीतीश कुमार का सुशासन और सामाजिक गठबंधन पर जोर और भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व वाली मजबूत संगठनात्मक रणनीति ने बिहार में सामूहिक चुनावी सफलता और राज्यों में सत्ता की स्थिरता सुनिश्चित की है।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज से अर्पित लॉन तक निकला विराट एकता मार्च

सरदार पटेल न होते तो भारत का इतिहास और भूगोल कुछ और होता : मंत्री ए.के. शर्मा

जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संस्थाओं, विद्यार्थियों और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय एकता दिवस के दृष्टिगत नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा भदोही जनपद के प्रभारी मंत्री ए. के. शर्मा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य यूनिटी मार्च में प्रतिभाग किया। उन्होंने शहीद सुलभ उपाध्याय व शीतल पाल के मूर्ति पर माल्यार्पण किया, यह मार्च विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर अर्पित लॉन तक अत्यंत उल्लास और देशभक्ति के जोश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में राष्ट्रीय एकता, समरसता और अखंडता के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित करना था। मार्च में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंत्री ए के शर्मा ने स्वयं मार्च के दौरान प्रतिभागियों से संवाद किया और सभी को एकता एवं राष्ट्रहित के लिए निरंतर योगदान करने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में मंत्री ए. के. शर्मा ने सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय सरदार पटेल की संगठन क्षमता, नेतृत्व कौशल और अदम्य साहस ने भारत की स्वतंत्रता में नई ऊर्जा का संचार किया। स्वतंत्रता के बाद लगभग 565 रियासतों को एकजुट कर भारत का राजनीतिक एकीकरण करना विश्व इतिहास की अद्वितीय उपलब्धि है, जो उनके लौह इच्छाशक्ति का परिणाम था। मंत्री ए के शर्मा ने कहा, 'यदि सरदार पटेल नहीं होते तो भारत का इतिहास और भूगोल निश्चित ही आज अलग होता। उन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधकर आधुनिक भारत की नींव रखी। उनकी कर्मनिष्ठा, ईमानदारी और राष्ट्रहित सर्वोपरि की सोच आज भी हम सबके लिए प्रेरणादायी है।

मंत्री ए के शर्मा ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना को जागृत करने और समाज के प्रत्येक वर्ग में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यह एकता मार्च भदोही जनपद में सामाजिक समरसता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक बनकर उभरा है।

मंत्री ने सभी प्रतिभागियों, विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और प्रशासनिक अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इसी सामूहिक भावना और एकता के संकल्प से भदोही सहित पूरा प्रदेश और मजबूत होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाली पीढ़ियाँ सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे, पूर्व सांसद से गोरखनाथ पाण्डेय, जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, श्री निवास चतुर्वेदी, संयोजक सुनील मिश्र, रबीश चन्द्र पांडेय, राकेश दुबे, संतोष पांडे, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष कुमार चक, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि गण, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक नागरिकों ने प्रतिभाग किया।

एएसपी ने गोपीगंज थाने में किया निरीक्षण अपराध नियंत्रण को दिए सख्त निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने गुरुवार को थाना गोपीगंज का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने मालखाना, शस्त्रागार, लॉकअप, महिला हेल्प डेस्क और थाना कार्यालय के सभी महत्वपूर्ण अभिलेखों सम्पूर्ण समाधान दिवस रजिस्टर, भूमि-भवन रजिस्टर, मालखाना रजिस्टर की विस्तृत जांच की। इस दौरान एएसपी ने थाने की साफ-सफाई और व्यवस्था पर विशेष बल दिया। एएसपी शुभम अग्रवाल ने थानाध्यक्ष को अपराध रोकथाम के लिए सख्त निर्देश देते हुए वाहन चोरी, लूट, नकबजनी और अन्य संगीन अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने महिला संबंधित अपराधों पर त्वरित कार्रवाई, सीमा क्षेत्रों में नियमित चेकिंग, पैदल गश्त बढ़ाने, वाहन चेकिंग सख्त करने और बैंक सिक्योरिटी को मजबूत करने पर जोर दिया।

उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों की सतर्कतापूर्वक जांच और अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के उचित पर्यवेक्षण के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष शैलेश राय सहित अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

विधायक खेल स्पर्धा का समापन खिलाड़ियों ने दिखाया दम

फुटबॉल में स्टेडियम टीम चैंपियन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। युवा कल्याण व प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान में आयोजित विधायक खेल स्पर्धा, विधानसभा भदोही की खेल प्रतियोगिताओं का समापन गुरुवार को जिला खेल स्टेडियम मूशीलाटपुर में हुआ। दो दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

फुटबॉल प्रतियोगिता में स्टेडियम की टीम ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय खेमईपुर को हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। बालिका वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय खेमईपुर की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि हरियावं की टीम उपविजेता रही।

बैडमिंटन डबल्स में आदित्य कुमार व गणेश की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक जाहिद बाग ने किया।

प्रतियोगिता में कुल आठ विधाओं का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। नोडल प्रभारी प्रशांत दुबे, जिला क्रीड़ा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार, विजय कुमार, मुनवर, राजाराम समेत अन्य जिम्मेदारों की उपस्थिति से कार्यक्रम और अधिक उत्साहपूर्ण रहा।

प्रतियोगिता के सफल समापन पर अधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेडिकल ऐसेसमेंट कैंप में 14 बच्चों का बना दिव्यांगता प्रमाण पत्र

भदोही। समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षान्तर्गत स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से गुरुवार को ब्लाक संसाधन केंद्र भदोही में पीएम श्री मेडिकल ऐसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की ओर से गठित मेडिकल बोर्ड के चिकित्सकों के द्वारा जिले के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया गया।

कैंप में कुल 35 बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया गया। जिसमें कुल 14 बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया। कैंप में आर्थोपेडिक सर्जन डा. चंद्रबली ने 06 अस्थि दिव्यांग, आई सर्जन डा. मुकुल पांडेय ने 04, वहीं मनोचिकित्सक डा. अभिनव पाण्डेय, नैदानिक मनोवैज्ञानिक डा. अशोक परासर द्वारा 04 मानसिक मंदित बच्चों का प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। कैंप में स्वास्थ्य विभाग से प्रिया श्रीवास्तव, फिजियोथेरेपिस्ट डा. जेपी सिंह, सत्येंद्र कुमार द्विवेदी, विजय कुमार मौर्य, राणागोविंद, विवेक पाठक, सरिता मिश्रा आदि ने सहयोग प्रदान किया गया।

मोटरसाइकिल चोरी करने वाले 2 अन्तर्जनपदीय शातीर चोर गिरफ्तार

चोरी की 4 अदद मोटरसाइकिल बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिकपुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा जनपद में चुस्त दुरुस्त कानून व्यवस्था के दृष्टिगत चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण व पंजीकृत अभियोग से सम्बंधित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में उ0नि0 उदय नारायण सिंह मय हमराह हे0कां0 विनोद कुमार यादव, कां0 निर्मल कुमार तथा कां0 रामअशीष द्वारा सन्दिग्ध व्यक्ति वाहन के दौरान मुखबीर की सूचना पर मोटरसाइकिल चोरी से सम्बन्धित दो व्यक्तियों 1. जितेन्द्र यादव उर्फ लल्ला पुत्र राजबहादुर यादव निवासी मुगरांव थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज उम्र 35 वर्ष 2.शाहिल पुत्र मुंशी उर्फ मिशाईल निवासी छितनी तालाब थाना भदोही जनपद भदोही उम्र 19 वर्ष को मुखबिरी सूचना पर पिपरिस आई0टी0आई0 कालेज के पास से चोरी की 04 अदद मोटरसाईकिल सहित उपरोक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर म0अ0सं0 507/2025 धारा 317(2), 317(4) बी0एन0एस0 थाना भदोही जनपद भदोही पर पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही की गई।

जिलाधिकारी के राजकीय आवास के पास मोरवा नदी पर क्षतिग्रस्त पुल के नवनिर्माण हेतु यातायात रहेगा बन्द

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण ने बताया कि मोरवा नदी पर क्षतिग्रस्त पुल के नवनिर्माण हेतु यातायात को 25 नवम्बर 2025 से 30 जून 2026 तक बन्द किया जाएगा।

उक्त यातायात को सुचारू यातायात प्रदान करने के लिए डायवर्जन सरपतहां वाया मोढ़ करियांव मार्ग पर दाहिने तरफ नन्दापुर होते हुये अजयपुर पुल के रास्ते वाराणसी भदोही मार्ग के देवनाथपुर बाजार से दाहिने तरफ जोरई गांव होते हुये जिला न्यायालय के पास यातायात मुख्य मार्ग ज्ञानपुर सरपतहां पर निकलेगा। तथा मोढ़ करियांव मार्ग से बांये चकलूटी वाया पाली सुरियांवा मार्ग होते हुए पाली पेट्रोल पम्प के पास से निकल कर ज्ञानपुर दुर्गागंज मार्ग से होते हुये मुख्यालय तक यातायात शुलभ रहेगा। उपरोक्त डायवर्जन में पैदल, साइकिल, मोटर साइकिल, तीन पहिया, इलेक्ट्रिक रिक्शा, आटो रिक्शा, चार पहिया एवं हल्के भार वाहनों के लिए यातायात सामान्य होगा, भारी वाहन ट्रक ट्रेलर इत्यादि राज्य मार्गों से आवागमन होगा।

सेंट थॉमस स्कूल में कल होगी शहीद झूरी सिंह मेमोरियल वॉलीबॉल प्रतियोगिता

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। सेंट थॉमस स्कूल, गोपीगंज में प्रदेश स्तरीय शहीद झूरी सिंह मेमोरियल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 22 नवंबर, शनिवार को किया जाएगा। यह जानकारी प्रधानाचार्य ब्रिंडा सैम ने दी। उन्होंने बताया कि पूर्व की भांति इस वर्ष भी भदोही सहित आसपास के जनपदों के केंद्रीय विद्यालयों की टीमें प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक निरीक्षण भवन में संपन्न

जनहित और प्राथमिकता आधारित कार्यवाही पर जोर, समयबद्धता और पारदर्शिता के साथ विकास कार्यों करें पूर्ण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा भदोही जनपद के प्रभारी मंत्री ए. के. शर्मा की अध्यक्षता में आज निरीक्षण भवन, ज्ञानपुर में कोर कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद के महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरकार की मंशा जनहित के कार्यों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ाने की है।

बैठक में जिला प्रशासन, नगर विकास, ऊर्जा, लोक निर्माण, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, पेयजल, सिंचाई तथा अन्य विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यों की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं चुनौतियों का विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री ने सभी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि जिन योजनाओं का सीधा संबंध जनता की सुविधा और क्षेत्र के विकास से है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर त्वरित गति से पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी या लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीनी स्तर पर कार्य की वास्तविक स्थिति की नियमित निगरानी, फील्ड विजिट और जनसंपर्क के माध्यम से समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

प्रभारी मंत्री ने ऊर्जा विभाग की योजनाओं, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण, शहरी सुविधाओं, विद्युत वितरण, स्वास्थ्य सेवाएँ, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम जनता को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना है, इसलिए प्रत्येक विभाग परिणाम आधारित कार्यशैली अपनाए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं में बाधाएं आ रही हैं, उनके समाधान के लिए तत्परता से कार्रवाई की जाए तथा विभागीय समन्वय को मजबूत करते हुए सभी कार्य समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं।

इस बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, पूर्व विधायक रविंद्र त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉ अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी संतोष कुमार चक, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, आदि प्रमुख अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु नीलम प्रभात करेंगी जनसुनवाई व निरीक्षण

भदोही। उ.प्र.राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से जनपद भदोही के राजकीय गेस्ट हाउस ज्ञानपुर में सदस्य नीलम प्रभात द्वारा जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, महिला थानाध्यक्ष एवं सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा, महिला जनसुनवाई व निरीक्षण का कार्यक्रम 26 नवंबर को पूर्वान्ह 11 बजे महिला जनसुनवाई की जाएगी एवं तत्पश्चात महिला बन्दी गृह, बालिका महिला गृह का निरीक्षण किया जाना है। उल्लिखित कार्यक्रम आयोग के पदाधिकारियों की अध्यक्षता में किया जाना है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी शत्रुधन कनौजिया ने जनपद की समस्त महिलाओं व बालिकाओं से अपील किया कि महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु किसी भी शिकायत समस्या के समाधान हेतु 26 नवंबर को 11 बजे राजकीय गेस्ट हाउस ज्ञानपुर में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती नीलम प्रभात के समक्ष अपनी शिकायत रखने का कष्ट करें। जिस पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए त्वरित समाधान किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पुलिस अधिकारीयो, महिला थानाध्यक्ष को जनसुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित रहकर जनपद की महिला उत्पीड़न सम्बन्धित घटनाओं की विस्तृत आख्या ;कृत कार्यवाही व अद्यतन स्थिति सहित अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित करने के साथ ही महिला जनसुनवाई हेतु नियमानुसार पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही साथ राज्य महिला आयोग की मा.सदस्य नीलम प्रभात पूर्वाह्न 11बजे से 02 बजे तक महिला जनसुनवाई तथा समीक्षा बैठक एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने एवं केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की मा0सदस्य नीलम प्रभात की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आहूत की गयी है।पेड़-पौधों से ही है हमारा अस्तित्व : अशोक कुमार गुप्ता

स्वच्छता कार्यों की प्रगति पर जिलाधिकारी की कड़ी समीक्षा, समयबद्धता से कार्य पूर्ण करने के निर्देश

सीडीओ ने दिए निर्देश- हर ग्राम पंचायत में आरआरसी संचालन डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण और शौचालय शत-प्रतिशत कराए क्रियाशील

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल निर्देशन में जिला स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण मैनेजमेंट कमेटी के कार्यक्रम विषयक बैठक मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

समीक्षा में स्वच्छता ही सेवा 2025 प्रगति पर विचार, ग्रामों में आर आर सी निर्माण की स्थिति, आर आर संचालन की स्थिति, मॉडल ग्राम के विभिन्न स्तरों की स्थिति, वित्तीय वर्ष 2025-26 में व्यक्तिगत शौचालय की प्रगति का विवरण, जनपद के ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय में नियुक्त केयरटेकर की स्थिति आदि की गहन समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन के सभी अभियानों, कार्यक्रमों को समय सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

मुख्य विकास अधिकारी ने आरआरसी सेन्टरों का संचालन सही ढंग से क्रियान्वित न कराने पर जिला पंचायत राज अधिकारी को कड़ी फटकार के साथ निर्देश दिया कि जो आरआरसी सेन्टर बन गये है, जो आरआरसी सेन्टर निर्माणाधीन है की प्रगति अगले बैठक में सभी फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट उपलब्ध कराने की हिदायत दी।

सीडीओ ने निर्देश दिया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में व्यक्तिगत शौचालय हेतु जो पात्र व्यक्ति छुटे हैं उनका ऑनलाइन आवेदन करा कर ग्राम प्रधान से सर्टिफिकेट ले लें कि, इसके अलावा अब कोई पात्र व्यक्ति ग्राम में नहीं छूटा हैं। जनपद के सभी ग्राम पंचायतों में आरआरसी का संचालन जल्द ही सुनिश्चित हो। सीडीओ ने कहा कि जिन ग्राम पंचायत में आरआरसी केंद्र बन गया है, उन ग्राम पंचायत में क्वालिटी के साथ डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कराए कूड़ा का सेग्रीगेशन भी करने का निर्देश संबंधित ग्राम पंचायत के अधिकारियों को दिया।

वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु व्यक्तिगत शौचालय की प्रगति का विवरण लक्ष्य के क्रम में 7260, व डीडीडब्ल्यूएस बेवसाइट पर ऑनलाईन पेन्डिंग प्रार्थना पत्रों की संख्या 8137, विकास खण्डों से प्राप्त सत्यापन पात्र लाभार्थियों की संख्या 4364, विकास खण्डों से अवशेष सत्यापन पात्र लाभार्थियों की संख्या 2896 है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालयों के क्रियाशीलता की स्थिति में विकास खण्डों में स्थित ग्राम पंचातयों की कुल संख्या 546, क्रियाशील सामुदायिक शौचालयों के ग्राम पंचायतों की संख्या 536, क्रियाशील सामुदायिक शौचालयों के ग्राम पंचायतों का 99.34 प्रतिशत, अक्रियाशील सामुदायिक शौचालयों के ग्राम पंचायतों की संख्या 06 अवशेष है। डीएम ने डीपीआरओ को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अन्दर शत्-प्रतिशत शौचालय क्रियाशील कराने का निर्देश दिया।

भारत सरकार के पोर्टल पर मॉडल कैटेगरी में मार्क किए गए राजस्व ग्रामों को उनके मार्ग किए गए तिथि से 90 दिनों के बाद ब्लॉक स्तरीय टीम द्वारा वेरिफिकेशन किया जाना है अधिक राजस्व ग्रामों का वेरीफिकेशन रिपोर्ट अपलोड किया जा चुका है। शेष बचे पेंडिंग वेरिफिकेशन को भी जल्द ही वेरीफाई करने का निर्देश सीडीओ ने दिया। उसके पश्चात संबंधित एडीओ पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी। बैठक में शौचालयों के प्रगति, चयनित मॉडल गॉव, शौचालयों के रेट्रोफिटिंग के प्रगति बिन्दुओं पर बल दिया गया।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष कुमार चक, जिला विकास अधिकारी ज्ञान प्रकाश, डीसी मनरेगा राजाराम, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय मिश्रा, स्वच्छ भारत मिशन के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ.सरोज पांडेय, समस्त खण्ड विकास अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

2962वें दिन भी जारी रहा वृक्षारोपण अभियान

ज्ञानपुर। पर्यावरण संरक्षण को समर्पित राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक अशोक कुमार गुप्ता द्वारा 10 अक्टूबर 2017 से निरंतर चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत आज 2962वें दिन उच्च प्राथमिक विद्यालय कंसापुर में बेल का पौधा रोपा गया। उन्होंने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि 'पेड़-पौधों से ही हमारा अस्तित्व है, लेकिन प्रकृति के अत्यधिक दोहन ने पृथ्वी को संकट में डाल दिया है।'

अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि यदि मानव ने समय रहते प्रकृति के संकेतों को समझा होता तो आज इस स्तर पर वृक्षारोपण अभियानों की आवश्यकता न पड़ती। 'हमने विकास की दौड़ में प्रकृति के संतुलन को भाले की तरह भेद दिया है, जबकि सृजनात्मकता और संवेदनशीलता ही धरती को बचा सकती है, ' उन्होंने कहा।

अभियान के दौरान बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक मनीष कुमार जायसवाल, नीतू, गरिमा सोनी, सेठ अनुराग, महेश, नरेश और किसन सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

अचानक 4-5 हिचकी आईं और थम गई सांसें
कुशीनगर एक्सप्रेस में यात्री की मौत, दोस्तों के सामने तोड़ा दम

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के बस्ती में अपने घर के लिए खुशी-खुशी निकले मुंबई की एक कंपनी में लेबर इंचार्ज फूलचंद्र निषाद का सफर आखिरी साबित हुआ। यात्रा के दौरान अचानक उन्हें 4-5 हिचकी आई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, फूलचंद्र की मौत हो गई। साथी यात्रियों की शिकायत पर झांसी रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने शव को उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक फूलचंद्र के साथी बलराम ने बताया कि खेती का समय होने के कारण वह मेरे और तिलकराम के साथ कुशीनगर एक्सप्रेस से बस्ती जा रहे थे। ट्रेन जैसे ही झांसी स्टेशन से लगभग 5 किलोमीटर पहले पहुंची तो फूलचंद्र को अचानक हिचकी आई। आनन-फानन में साथियों ने उन्हें सीट खाली कराकर लिटा दिया और उनके परिजनों को फोन पर जानकारी दी। बलराम के अनुसार, इसके पहले कि कोई उन्हें होश में ला पाता, उनकी मौत हो गई।

कोच में सवार साथी यात्रियों ने तुरंत झांसी रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को घटना की सूचना दी। जिसके बाद जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे डॉक्टर प्लेटफार्म पर पहुंचे, जहां परीक्षण के दौरान डॉक्टर ने फूलचंद्र को मृत घोषित कर दिया। जीआरपी थाना प्रभारी रावेन्द्र मिश्रा ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यात्रियों की शिकायत पर शव को कोच से उतारा गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी के मुताबिक, पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण की पुष्टि हो पाएगी।

सिपाही ने दूसरी महिला के साथ बनाए अवैध संबंध, प्रेग्नेंट किया!
रंगे हाथ पकड़ने के लिए पहुंच गई कांस्टेबल पत्नी, फिर हुआ जमकर बवाल

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के शामली से पुलिस विभाग में तैनात पति-पत्नी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक सिपाही पर अपनी पत्नी को छोड़कर दूसरी महिला के साथ रहने और उसे गर्भवती करने का गंभीर आरोप लगा है। यह आरोप मुजफ्फरनगर में तैनात एक महिला कांस्टेबल ने लगाया है, जिसका पति शामली पुलिस लाइन में सिपाही है। महिला ने उस पर अवैध संबंधों के साथ शादी करने का भी आरोप लगाया है।

सूत्रों के अनुसार, महिला कांस्टेबल का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से उसके पति का व्यवहार बदल गया था। शक बढ़ने पर उसने जांच की तो पता चला कि उसका पति शामली में दूसरी महिला के साथ रह रहा है। पक्के सबूत जुटाने के लिए वह देर रात काकानगर स्थित उसके घर पर पहुंची, लेकिन अंदर से दरवाजा नहीं खोला गया। मजबूर होकर उसने स्थानीय पुलिस को बुलाया।

जैसे ही पुलिस ने दरवाजा खुलवाया, सिपाही बाहर आया और पत्नी को देखते ही गाली-गलौज करने लगा। थोड़ी देर बाद घर से दो महिलाएं भी बाहर आ गईं और उनके बीच कहासुनी बढ़ते-बढ़ते मारपीट तक पहुंच गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

हैरानी की बात यह रही कि बीच विवाद सिपाही कुछ देर के लिए अंदर गया और वर्दी पहनकर बाहर आ गया। वर्दी पहनने के बाद वह और ज्यादा आक्रामक हो गया और पत्नी को अपमानित करता रहा। महिला कांस्टेबल का आरोप है कि उसका पति न सिर्फ दूसरी महिला के साथ ही नहीं रहता बल्कि वह महिला गर्भवती भी है। महिला कांस्टेबल ने बताया कि उनका छह साल का बेटा उसके साथ रहता है। उसने कहा कि पति का उसकी सहमति के बिना दूसरी महिला के साथ रहना गैरकानूनी है और पुलिस वर्दी की भी बदनामी है। ये मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

दारोगा की सरेआम पिटाई; आरोपियों ने एसआई और उसके साथी को जमकर पीटा
सर्विस रिवॉल्वर छीनकर हुए फरार

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के सुल्तानपुर से पुलिस की पिटाई का एक मामला सामने आया है। यहां पर वारंटी को पकड़ने गए एसआई और उसके साथी पर आरोपी और उसके घरवालों ने हमला कर दिया। उन्होंने जमकर दोनों पुलिस कर्मचारियों को पीटा। इससे उन्हें काफी चोटें आ गई। इतना ही नहीं आरोपियों ने एसआई की सर्विस रिवाल्वर छीनी और फिर वहां से फरार हो गए। जानकारी मिलने पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें लगा दी।

बता दें कि यह पूरा मामला हलियापुर थाना क्षेत्र के लाला का पुरवा डोभियारा गांव का है। यहां अयोध्या के कुमारगंज थाने के उप निरीक्षक अकील और भानु प्रताप जानलेवा हमले के प्रयास से जुड़े मामले में वारंटी दशरथ सिंह को पकड़ने पहुंचे थे। दोनों लोग सिविल ड्रेस में थे। दोनों उसे पकड़ने के लिए पहुंचे थे, लेकिन आरोपी और उसके परिवार ने उल्टा उन पर ही हमला कर दिया। आरोपियों ने दोनों उप निरीक्षकों को जमकर पीटा। एसआई अकील की सर्विस रिवाल्वर छीनकर भाग निकले। इस पिटाई के दौरान वह दोनों घायल हो गए।

इस मामले की जानकारी होते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई अकील और भानु प्रताप ने पांच नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर केस दर्ज कराया है। कुमारगंज, इनायतनगर, हलियापुर व बल्दीराय थाने की पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

फिर चर्चा में एएसपी अनुज चौधरी
खाकी वर्दी में छू लिए मौनी बाबा के पैर, वीडियो हो रहा तेजी से वायरल

मथुरा (**एजेंसी**)। प्रदेश पुलिस के एएसपी अनुज चौधरी अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बने रहते हैं। पहले वे संभल में सीओ थे और अपने बयानों के कारण चर्चा में आए थे। हाल ही में फिरोजाबाद में एएसपी (ग्रामीण) रहते हुए उन्होंने बदमाश नरेश के साथ मुठभेड़ में बहादुरी दिखाई थी। उस दौरान चली गोली उनकी बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी थी, जिससे उनकी जान बच गई थी। लेकिन इस बार अनुज चौधरी किसी बयान या एनकाउंटर की वजह से नहीं, बल्कि एक वीडियो के कारण विवादों में हैं।

इन दिनों सोशल मीडिया पर एएसपी अनुज चौधरी का एक वीडियो तेजी से फैल रहा है। मथुरा पहुंचे अनुज चौधरी इस वीडियो में वर्दी पहनकर एक बाबा के चरण स्पर्श करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिखता है कि अनुज पहले बाबा माधव दास उर्फ मौनी बाबा के पैर छूते हैं, फिर आशीर्वाद लेते हैं। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और बाबा उन्हें हनुमान जी का गदा भी भेंट करते हैं। वर्दी में रहते हुए इस तरह पैर छूने को लोग सोशल मीडिया पर सवालों के घेरे में ले रहे हैं। कुछ लोग इसे अनुशासन का उल्लंघन बता रहे हैं, जबकि कई लोग इसे उनकी आस्था मानकर समर्थन भी कर रहे हैं। अनुज चौधरी पहले अंतरराष्ट्रीय पहलवान रहे हैं। वे भारत की ओर से ओलंपिक और एशियन गेम्स में कुश्ती खेल चुके हैं। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार भी मिल चुका है। स्पोर्ट्स कोटा से वे वर्ष 2000 में यूपी पुलिस में सब इंस्पेक्टर बने। इसके बाद प्रमोशन पाकर डिप्टी एसपी और अब एएसपी के पद पर सेवाएँ दे रहे हैं। उनका जन्म 15 जुलाई 1978 को मुजफ्फरनगर के बहेड़ी गांव में हुआ था। सोशल मीडिया पर भी वे काफी लोकप्रिय हैं।

सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन के बाद उनके गांव में पसरा सन्नाटा, लंबे समय से थे बीमार

लखनऊ (**एजेंसी**)। मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार तड़के लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह 67 वर्ष के थे। सिंह ने दिल्ली से वाराणसी हवाई अड्डे पर उतरने के बाद साँस लेने में तकलीफ की शिकायत की थी। उनके बेटे सुजीत सिंह ने बताया कि उन्हें पहले वाराणसी के एक अस्पताल में और फिर आगे के इलाज के लिए लखनऊ में भर्ती कराया गया था। सुजीत सिंह ने बताया कि सुबह सात बजे उनका निधन हो गया। उन्होंने बताया कि उनके पिता हृदय संबंधी कुछ समस्याओं से पीड़ित थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक के निधन पर शोक व्यक्त किया। हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में आदित्यनाथ ने कहा मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्री सुधाकर सिंह का निधन अत्यंत दुःखद है। मेरी उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। मेरी संवेदनाएँ शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। मैं प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करे। गहरी संवेदनाएँ।

एसआईआर में गड़बड़ी की मिली शिकायत
सांसद धर्मेंद्र यादव ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, लगाए आरोप

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के आजमगढ़ से सांसद धर्मेंद्र यादव ने एसआईआर को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा है। सांसद ने आरोप लगाया है कि एंि अनियमिता की शिकायतें मिल रही है।

धर्मेंद्र यादव ने बताया कि आयोग ने दो फार्म दिया एक सबूत तौर पर अपने पास रखने के लिए और एक जमा करने के लिए जो कि लोगों को नहीं दिया जा रहा है तो कुछ जगह पर बीएलओ भेदभाव कर रहे हैं लोगों के साथ। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है 9 दिसंबर को जो सूची आएगी जो आज मतदाता सूची है 2025 की वही ड्राफ्ट आना चाहिए। किसी के साथ भेद भाव न हो, बिना मतलब का वोट काटा ना जाए, बिना मतलब का तकनीकी कारण दिखा करके हमारे वोटरों का हैरेसमेंट न किया जाए।

दिनेश लाल यादव निरहुआ पूर्व संसद को लेकर कहा की बड़ बोले लोगों की बातों पर मुझे कोई टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यहीं पर उन्होंने ब्रह्मा को भी चुनौती दी थी। धर्मेंद्र यादव ने कहा हम लोग अपने नेता अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाज में हो रहे अत्याचार भेदभाव जातिवाद के खिलाफ समाज में हम लोग अपने उत्तर प्रदेश की जनता के बीच में है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी की आप लोग बातें क्यों नहीं सुनते हो जो कहा था कि 2 करोड़ रोजगार हर साल देंगे महंगाई कम करेंगे रुपया को डॉलर के बराबर ले जाएंगे, जो कि आज तक नहीं हुआ। बीजेपी केवल प्रोपेगेंडा चलती है, संवैधानिक और सामाजिक संस्थाओं का दुरुपयोग करके बीजेपी जीतती है। उत्तर प्रदेश में अगर निष्पक्ष चुनाव हुआ तो बीजेपी समाजवादी पार्टी के सामने कहीं नहीं टिकेगी क्योंकि यही बीजेपी कह रही थी 400 सीट लाएंगे, पर क्या दावा पूरा हुआ।

धर्मांतरण कानून पर खाचरियावास का तीखा पलटवार, मंत्री भाईधाम के बयान पर साधा निशाना

जयपुर (**एजेंसी**)। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह भाईधाम द्वारा राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर राज्य में लागू नए धर्मांतरण विरोधी कानून को लेकर लगाए गए आरोपों के जवाब में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने गुरुवार को यहाँ एक तीखा पलटवार जारी किया। भाईधाम ने डोटासरा पर धर्मांतरण विरोधी कानून का विरोध करने और इस कानून के खिलाफ अशांति फैलाने का आरोप लगाया था। खाचरियावास ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ रही है। फिर भी, भाजपा बार-बार हिंदू-मुस्लिम का राग अलापकर जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है।

खाचरियावास ने कहा कि हम जबरन धर्म परिवर्तन के भी सख्त खिलाफ हैं। लेकिन भाजपा राजस्थान में बढ़ती अपराध दर और कानून-व्यवस्था की नाकामी से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। गृह राज्य मंत्री को रोज़-रोज़ राजनीतिक बयानबाज़ी करने के बजाय अपराध नियंत्रण पर ध्यान देना चाहिए। भाईधाम पर सीधा तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जवाहर सिंह भाईधाम को राष्ट्रपति से पुरस्कार मिलना चाहिए - अच्छे काम के लिए नहीं, बल्कि राज्य में अपराध की स्थिति की अनदेखी करते हुए सबसे ज़्यादा राजनीतिक बयान देने के लिए। उनका काम सुरक्षा सुनिश्चित करना है, विपक्षी नेताओं को निशाना बनाना नहीं।' कांग्रेस नेता ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा सरकार धर्मांतरण विरोधी कानून का इस्तेमाल शासन के उपाय के बजाय एक राजनीतिक हथियार के रूप में कर रही है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल जायज़ आलोचना को उकसावे का नाम देकर असहमति की आवाज़ों को दबाने की कोशिश कर रहा है।

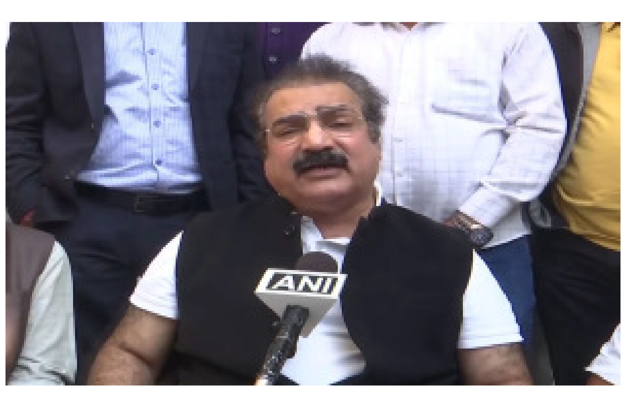

खाचरियावास ने यह भी दोहराया कि कांग्रेस ऐसे किसी भी कानून का समर्थन करती है जो व्यक्तियों को ज़बरदस्ती से बचाता है, लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए ऐसे कानूनों के दुरुपयोग का विरोध करती है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि राज्य सरकार को पुलिस व्यवस्था को मज़बूत करने, जन सुरक्षा में सुधार लाने और बढ़ती हिंसा की घटनाओं से निपटने को प्राथमिकता देनी चाहिए, बजाय इसके कि वह 'विभाजनकारी राजनीति' में शामिल हों।

इस टिप्पणी ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और विपक्षी कांग्रेस के बीच, खासकर धर्म, कानून-व्यवस्था और शासन से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर, चल रहे राजनीतिक टकराव को और तेज़ कर दिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू का छत्तीसगढ़ में बड़ा ऐलान
आदिवासी समुदायों का विकास प्राथमिकता, उग्रवाद पर लगाम

अंबिकापुर (**एजेंसी**)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अंबिकापुर में बिरसा मुंडा सहित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सम्मानित करने के लिए आयोजित जनजातीय गौरव दिवस में शामिल हुईं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समुदायों का योगदान भारत के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय है। आदिवासियों का विकास भारत सरकार की प्राथमिकता है। आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की योजनाएँ विकसित और कार्यान्वित की गई हैं।

राष्ट्रपति ने राज्य की प्रगति के लिए लोगों को बधाई दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के लोगों को उनकी प्रगति के लिए बधाई देती हूँ। उन्होंने अभी-अभी राज्य गठन की रजत जयंती मनाई है। मुझे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली (झारखंड में) जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारतीय इतिहास में आदिवासी समुदायों का योगदान अतुलनीय रहा है। छत्तीसगढ़ आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। झारखंड और ओडिशा छत्तीसगढ़ से ज़्यादा दूर नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है, जो सार्वजनिक स्थानों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

मुर्मू ने कहा कि जब मैं हेलीपैड से यहाँ आ रही थी, तो रास्ते में छत्तीसगढ़ की संस्कृति साफ़ दिखाई दे रही थी। राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है जो बहुत प्रभावशाली और मनभावन है... मुझे आदिवासी होने पर बहुत गर्व है। आदिवासी कला और संस्कृति को देश के साथ-साथ विदेशों में भी और अधिक बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए लोगों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'छत्तीसगढ़ सहित देश भर के लोग वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुव्यवस्थित प्रयासों से निकट भविष्य में वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा।' इससे पहले, राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले के अंबिकापुर पहुँचने पर राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत किया। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगामी छत्तीसगढ़ दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि यह राज्य के लिए गर्व की बात है।

जेल में बंद बेटे को छुड़ाने आई मां से पुलिसवाले ने की सेक्स की डिमांड
प्राइवेट पार्ट को छुआ, एसएसपी ने किया सस्पेंड

दुर्ग (**एजेंसी**)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई-3 थाना क्षेत्र में एक महिला ने पुरानी भिलाई थाने में पदस्थ आरक्षक अरविंद मेंढ़े पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का बेटा पॉक्सो मामले में जेल में बंद है और इसी बात का फायदा उठाकर आरक्षक ने उसे मदद के नाम पर छेड़छाड़ करने की कोशिश की।

महिला के मुताबिक, आरक्षक अरविंद ने उसके बेटे को छुड़वाने का भरोसा देकर उसे फोन पर मिलने के लिए बुलाया। मंगलवार शाम करीब 6 बजे वह महिला को जांजगीर के पास यार्ड में ले गया। वहां उसने गलत तरीके से छुआ और संबंध बनाने का दबाव बनाया। जब महिला ने मना किया और पीरियड होने की बात कही तो आरक्षक ने उसका प्राइवेट पार्ट चेक किया, और कहा 'दो दिन बाद फिर आओष्ठ तब तुम्हारे बेटे को बाहर निकाल दूंगा।' आरक्षक लगातार फोन कर उसे मिलने के लिए मजबूर कर रहा था।

हिंदूवादी संगठन की सदस्य ज्योति शर्मा ने बताया कि पीड़िता ने आरक्षक के साथ हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग और चैट के स्क्रीनशॉट उन्हें दिए। ज्योति शर्मा ने कहा 'पीड़िता की पूरी रिकॉर्डिंग और स्क्रीनशॉट पुलिस को दे दिए हैं। आरोपी आरक्षक पर तत्काल कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।'

मामले की जानकारी मिलते ही हिंदूवादी संगठन भिलाई-3 थाने पहुंच गए और जोरदार विरोध किया। ज्योति शर्मा के नेतृत्व में एफआईआर और सस्पेंशन की मांग को लेकर हंगामा हुआ। एएसपी पद्मश्री तंवर थाने पहुंचीं और कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया।

शिकायत दर्ज होते ही दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने आरोपी आरक्षक अरविंद मेंढ़े को निलंबित कर दिया और रक्षित केंद्र में भेजा। जांच की जिम्मेदारी सीएसपी भारती मरकाम को सौंपी गई है और 7 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश जारी किए गए हैं।

आरक्षक के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(2)(क)(आई) के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। यह धारा तब लगती है जब कोई पुलिसकर्मी अपने पद का दुरुपयोग करते हुए किसी महिला के साथ थाने या हिरासत जैसे परिस्थितियों में रेप करता है। इस धारा में कम से कम 10 साल की सजा या फिर उम्र कैद भी हो सकती है, साथ में भारी जुर्माना देना पड़ सकता है।

स्थानीय निकाय चुनाव में राकांपा (एसपी) विपक्षी दलों के साथ मिलकर लड़ने की इच्छुक : सुले

मुम्बई (**एजेंसी**)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी आने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर चलना चाहती है और उनसे बातचीत करेगी सुले ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राकांपा (एसपी) स्थानीय निकाय चुनाव साथ में लड़ने और महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य के बारे में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ चर्चा करेंगी।

उन्होंने कहा, ''हम गठबंधन के बारे में अगले सप्ताह मुंबई में कांग्रेस से बात करेंगे।'' जब सुले से पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी मुंबई में कांग्रेस या शिवसेना (उबाठा) के साथ निकाय चुनाव लड़ेगी, तो उन्होंने कहा, ''हम सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। महा विकास आघाडी या 'इंडिया' गठबंधन हो सकता है। अगले हफ्ते एक साफ तस्वीर सामने आएगी।''

कांग्रेस ने कहा है कि वह मुंबई नगर निगम के चुनाव 'एक जैसी सोच वाले दलों' के साथ लड़ना चाहती है। राज्य में निकाय चुनाव जनवरी 2026 में होने की उम्मीद है, जिसमें 227 सदस्यों वाली बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) भी शामिल है। कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) विपक्षी गुट महा विकास आघाडी(एमवीए) के हिस्से हैं।

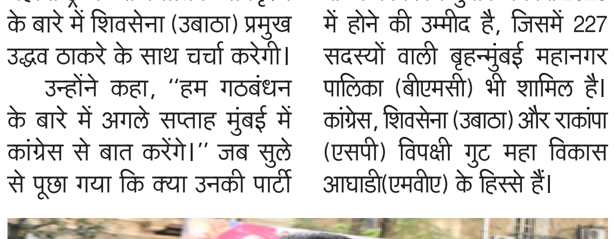

सेक्स का सुख पाने के लिए बॉयफ्रेंड ने खाई सेक्सवर्धक गोली! संबंध बनाते हो गई मौत, होटल में मिली लाश

रायपुर (**एजेंसी**)। छत्तीसगढ़ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, यहां पर एक युवक की सेक्सवर्धक गोली दवा खाने से मौत हो जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक युवक की एक युवती की इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई, फिर मुलाकातों का दौर शुरू हुआ इसी बीच दोनो में एक दूसरे के साथ रात बिताने का फैसला किया। फिर बॉयफ्रेंड ने एक होटल बुक किया। जहां पर दोनो पहुंचे, लेकिन यहां पर बॉयफ्रेंड से एक गलती हो गई जिससे वह जिंदगी से हाथ धो बैठा। बताया जा रहा है कि प्रेमी ने प्रेमिका को सेक्स का चरम सुख देने के लिए सेक्स वर्धक दवा खा ली जिससे संबंध बनाते उसकी मौत हो गई। फिलहाल युवक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है कि जिससे मौत के असली कारण सामने आ पाएंगे।

जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के जांजगीर कालिका होटल में रुके एक युवक-युवती में से युवक की मौत हो गई। जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है लेकिन शॉर्ट पीएम रिपोर्ट से मौत की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच के लिए बिसरा प्रिजर्व किया गया है और अब इसे रायपुर की लैब भेजा जाएगा। बिसरा रिपोर्ट मिलने के बाद ही युवक की मौत की असली वजह का पता चल सकेगा।

मृतक युवक का नाम कृशचंद देवांगन है जो जावलपुर गांव का रहने वाला था। युवती बिर्रा की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार युवक और युवती की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी और इससे पहले दोनों की 2-3 मुलाकात हो चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक 15 नवंबर को युवक और युवती जांजगीर के कालिका होटल में रुके थे। रात में युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के पेट में कुछ टेबलेट भी मिली हैं। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट से मौत की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है इसलिए डॉक्टर ने जांच के लिए बिसरा प्रिजर्व किया है। अब बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी।

विश्व कप फाइनल में जैस्मीन का दम, भारत के 15 मुक्केबाज खिताबी मुकाबले के लिए तैयार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा) ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में भारत के अब तक के सबसे प्रभावशाली दिन का नेतृत्व किया और स्वर्ण पदक मुकाबलों में अपनी जगह पक्की कर ली। मेजबान देश ने गुरुवार को होने वाले खिताबी मुकाबलों के लिए 15 फाइनलिस्टों की पुष्टि कर दी है, जो शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे इस आठ सदस्यीय एलीट प्रतियोगिता में किसी भी देश के लिए सबसे ज़्यादा है।

जैस्मीन ने कल पूर्व एशियाई युवा चैंपियन, कज़ाकिस्तान की उल्ज़ान सरसेनबेक के खिलाफ 5:0 की शानदार जीत दर्ज की, जिसमें उन्होंने अपनी शानदार रक्षात्मक रणनीति, तीक्ष्ण रक्षात्मक रणनीति और सहज संयोजन का प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ, मौजूदा विश्व चैंपियन अब पेरिस ओलंपिक पदक विजेता वू शिह-यी के खिलाफ एक धमाकेदार फाइनल के लिए तैयार हैं, जो टूर्नामेंट के सबसे प्रतीक्षित मुकाबलों में से एक होने का वादा करता है। जैस्मीन लाम्बोरिया ने कहा कि आज कज़ाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल मैच था। रिंग में यह एक शानदार अनुभव था... अगला हमारा आखिरी मैच है जिसमें हम सभी बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

निखत ज़रीन ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और भारत ने सातवें सत्र का समापन उज़्बेकिस्तान पर शानदार तिहरी जीत के साथ किया, जिसमें सचिन सिवाच और हितेश गुलिया भी विजेता रहे। उच्चतम स्तर पर अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए, निखत ने एक नियंत्रित लेकिन ज़बरदस्त प्रदर्शन किया, गनीवा गुलसेवर के खिलाफ एक गहन सामरिक मुकाबले में बार-बार अपने तीखे बाएँ हुक लगाए। सचिन (60 किग्रा) ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली और दिलशोद अब्दुमुरोदोव को मात देने के लिए चतुराई से दूरी बनाए रखी, जबकि हितेश (70 किग्रा) ने शानदार काउंटर-पंचिंग का प्रदर्शन किया और मुखमदअज़ीज़बेक इस्माइलोव की आक्रामकता को अपने खिलाफ मोड़कर एक संयमित, प्रभावशाली जीत हासिल की।

पवन (55 किग्रा) और जदुमणि (50 किग्रा) दोनों ने शानदार जीत हासिल कर मेजबान देश की गति को बढ़ाया। पवन ने शुरुआती कड़े मुकाबले से उबरते हुए इंग्लैंड के एलिस ट्रोब्रिज पर दो शानदार राउंड में 5:0 से जीत हासिल की। जदुमणि ने ऑस्ट्रेलिया के ओमर इज़ाज, जो अस्ताना विश्व कप पदक विजेता हैं, को अथक दबाव, तीखे हुक और चतुराई भरे फुटवर्क से परास्त किया, जिससे वह लंबे मुक्केबाज़ को रस्सियों पर ही अटकाए रहे। जुगनू (85 किग्रा) 5:0 से हारकर बाहर हो गए, जबकि नीरज फोगट (65 किग्रा) ने ओलंपिक पदक विजेता चेन निएन-चिन के खिलाफ जोशीला और निडर प्रदर्शन किया, लेकिन 3:2 के विभाजित निर्णय से हार गए। सुमित (75 किग्रा) को पोलैंड के मिशल जार्लिंस्की से 4:1 से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप : भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल में शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा **(एजेंसी)**। भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े। इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं। बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमे कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं।

भारतीय टीम बांग्लादेश को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था। इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा।

भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं । बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है । दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था।

दुबे ने बीसीसीआई टीवी से कहा, 'मैने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरूआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था। हम इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते जो यूएई और ओमान के खिलाफ किया था।' बांग्लादेश की बल्लेबाजी का दारोमदार सलामी बल्लेबाज हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अबरार अली पर होगा। इन दोनों के विकेट जल्दी लेकर भारत दबाव बनाने की कोशिश करेगा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शाहींस का सामना श्रीलंका ए से होगा।

टीमें- भारत ए : जितेश शर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहाल वढेरा, नमन धीर, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार विशाख, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल, सुयश शर्मा

बांग्लादेश ए : अकबर अली (कप्तान) मोहम्मद हबीबुर रहमान, यासिर अली, जीशान आलम, आरिफुल इस्लाम, रकीबुल हसन, महीदुन एंकोन, तूफेल अहमद, मृत्युंजय चौधरी, मेहराब हसन, रिपोन मंडल, अबु हिदार रोनी, मोहम्मद शादिन इस्लाम, जवाद अबरार, मोहम्मद अब्दुल गफ्फार।

तारीख और समय : 21 नवम्बर दोपहर 3 बजे।

सरफराज को मिली पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीम की जिम्मेदारी, अजहर अली ने उठाया बड़ा कदम

लाहौर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली ने नेशनल सिलेक्शन कमिटी और नेशनल क्रिकेट एकेडमी में यूथ डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के हेड पद से इस्तीफा दे दिया है। अली के एक भरोसेमंद सोर्स ने कन्फर्म किया कि उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा है क्योंकि एक और पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीमों का पूरा कंट्रोल दिया गया था।

सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अजहर ने इस हफ़्ते की शुरुआत में बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा था और इसे मंजूर कर लिया गया है।' 97 टेस्ट खेलने वाले अजहर ने पिछले साल सिलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट हेड के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू किया था, लेकिन सोर्स ने कहा कि वह बोर्ड में काम करने के तरीके से काफी परेशान हो रहे थे। काम करने का रेड-टेप स्टाइल उन्हें परेशान करता था, साथ ही इस बात से भी कि एकेडमी में युवा क्रिकेटरों को तैयार करने के उनके कुछ प्रपोजल को आगे नहीं बढ़ाया गया।'

सोर्स ने कहा कि अजहर तब निराश हुए जब बोर्ड ने अचानक उनसे बात किए बिना शाहीन और अंडर-19 क्रिकेट के सारे मामले सरफराज को सौंपने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा, 'अजहर को लगा कि अब जब सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीमें चलाने के लिए कहा गया है, तो यूथ डेवलपमेंट के हेड के तौर पर उनकी ज्यादातर जिम्मेदारियां बिना उनकी मंजूरी के छीन ली गई हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया।'

सरफराज, जो बोर्ड के साथ पहले मेंटर और फिर क्रिकेट मामलों के एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें पिछले हफ़्ते दोनों टीमों की जिम्मेदारी लेने और कोच के परफॉर्मेंस, सिलेक्शन मामलों, ट्रेनिंग कैंप ऑर्गनाइज करने समेत सभी पहलुओं को देखने के लिए कहा गया और उन्हें टीमों के साथ ट्रैवल करने का अधिकार भी दिया गया। हाल के सालों में पुराने खिलाड़ियों और कोचों, जिनमें विदेशी भी शामिल हैं, का अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा न करने, या तो छोड़ने या नौकरी से निकाले जाने का इतिहास रहा है। हाल ही में इँण ने वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद महिला टीम के हेड कोच के तौर पर मुहम्मद वसीम का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया, जहां टीम आठ टीमों में सबसे नीचे रही थी।

मीनाक्षी-प्रीति का वर्ल्ड कप में 'गोल्डन पंच', भारत के नाम दो स्वर्ण पदक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा ने गुरुवार, 20 नवंबर को ग्रेटर नोएडा में उज्बेकिस्तान की फोजिलोवा फरज़ोना पर 5-0 से सर्वसम्मति से जीत दर्ज करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप 2025 के फाइनल में 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली मीनाक्षी ने उज्बेकिस्तान की मुक्केबाज के खिलाफ शानदार खेल दिखाते हुए मुकाबला 5-0 से जीत लिया। अपनी जीत पर बोलते हुए, मीनाक्षी ने कहा कि विश्व चैंपियन बनना आसान है, लेकिन शीर्ष पर उस स्थिति को बनाए रखना मुश्किल है। भारत में हो रहे इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने पर बात करते हुए, मीनाक्षी ने कहा कि मैं इसमें भाग लेने के लिए बेहद प्रेरित थी क्योंकि यह भारत में हो रहा था। यहाँ दर्शकों का समर्थन शानदार है और मुझे खुशी है कि मैं अपने देश के लिए एक और स्वर्ण पदक जीत सकी।' इस बीच, प्रीति पवार ने भी इसी टूर्नामेंट में 54 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। प्रीति ने फाइनल में इटली की सिरीन चाराबी को 5-0 से हराया। फाइनल के बाद प्रीति ने कहा, 'मैंने फिर से वापसी की है और मैं और भी मज़बूत हो गई हूँ। मैं भविष्य में अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगी।

उन्होंने अपने अगले लक्ष्यों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'अगले साल एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल हैं, और 2026 में फिर से एशियाई खेल हैं। मेरा अगला बड़ा लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक है। मैं इसके लिए पूरी तैयारी कर रही हूँ।'

ईडी का अनिल अंबानी पर शिकंजा!

करोड़ों की संपत्ति जब्त मुश्किलों में फंसा रिलायंस समूह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के लिए ये वक्त काफी मुश्किलों भरा है। रोजाना किसी न किसी तरह की मुसीबत उनको घेरे हुए है। पिछले दिनों पूछाताछ का लंबा सिलसिला चलता रहा और अब ईडी की रेड। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से संबंधित धन शोधन की जांच के तहत करोड़ों रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से संबंधित धन शोधन की जांच के तहत 1, 400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने पहले इस मामले में 7, 500 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। सूत्रों ने बताया कि देश के विभिन्न भागों में स्थित संपत्तियों के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अनंतिम कुर्की का यह नया आदेश जारी किया गया है। इस मामले पर अभी रिलायंस समूह से प्रतिक्रिया नहीं मिली है। सूत्रों ने बताया कि नवीनतम आदेश के तहत 1, 400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। इस मामले में कुर्क की गयी कुल संपत्ति की कीमत लगभग 9, 000 करोड़ रुपये है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में एक पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (फाइल की गई है, जिसमें अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और उसके सब्सिडियरी ग्रुप्स से जुड़े कथित बड़े बैंक फ्रॉड की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। पिटीशन में उठाए गए ग्राउंड्स पर विचार करने के बाद, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई की लीडरशिप वाली बेंच ने मंगलवार को केंद्र सरकार, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन और एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट को नोटिस जारी कर पिटीशन पर उनके जवाब मांगे हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज को बेंगलुरु में 30 एकड़ की टाउनशिप से 3, 500 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने दक्षिण बेंगलुरु में एक टाउनशिप विकसित करने के लिए 30 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। इस टाउनशिप का अनुमानित राजस्व लगभग 3, 500 करोड़ रुपये है।

कंपनी ने 1, 100 करोड़ रुपये के अनुमानित राजस्व के साथ एक आवास परियोजना विकसित करने के लिए अक्टूबर में बेंगलुरु के सरजापुर में 26 एकड़ जमीन खरीदी थी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने 3.8 एकड़ अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण किया है। इससे 2, 400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व और 20 लाख वर्ग फुट अतिरिक्त विकास क्षमता प्राप्त होगी।

इस अधिग्रहण के साथ 30 एकड़ के टाउनशिप का कुल सकल विकास मूल्य 3, 500 करोड़ रुपये होगा। कुल विकास क्षमता 30 लाख वर्ग फुट क्षेत्र है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा कि यह विस्तार कंपनी को उसके टिकाऊ, एकीकृत जीवन के दृष्टिकोण के अनुरूप एक स्थान विकसित करने का अवसर देता है....। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

पोंटिंग का एशेज पर चौंकाने वाला दावा

ऑस्ट्रेलिया जीतेगा, पर इंग्लैंड देगा कड़ी टक्कर, रोमांचक होगा मुकाबला!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने आगामी एशेज सीरीज़ पर अपनी भविष्यवाणियाँ की हैं, जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के प्रमुख खिलाड़ियों और उनकी अनुमानित सीरीज़ स्कोरलाइन पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। यह जानकारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (की आधिकारिक वेबसाइट से मिली है। पोंटिंग ने द आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में होस्ट संजना गणेशन के साथ एशेज के बारे में विस्तार से बात की और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का मानना है कि आगामी सीरीज़ कई विशेषज्ञों की भविष्यवाणी से कहीं ज़्यादा करीबी होगी।

हालाँकि ऑस्ट्रेलिया ने 2018 से एशेज पर कब्ज़ा जमाया हुआ है और सदी की शुरुआत से अब तक घरेलू धरती पर इंग्लैंड से सिर्फ़ चार टेस्ट मैच हारे हैं, पोंटिंग का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया में पाँच मैचों की टेस्ट सीरीज़ के दौरान इंग्लैंड प्रतिस्पर्धी होगा। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से पोंटिंग ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कोई ड्रॉ होगा, बस इंग्लैंड जिस तरह से खेलता है, वैसा ही होगा।

उन्होंने कहा कि अगर ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों में मौसम ठीक रहता है, तो हम जानते हैं कि पिछले 15 सालों में सबसे बड़ी चिंता सिडनी रही है, जहाँ हमने कई दिन मैच गंवाए हैं।

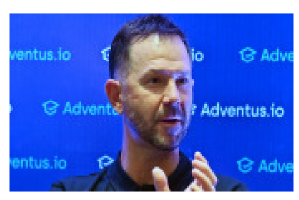

उन्होंने आगे कहा कि साल के इस समय पर्थ और ब्रिस्बेन में मैच आम तौर पर शानदार होते हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि कोई मैच ड्रॉ होगा, बल्कि मुझे लगता है कि मुकाबला वाकई बहुत करीबी होगा। तो मैं ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हरा रहा हूँ। पोंटिंग ने कहा कि कोई ड्रॉ नहीं होने की वजह से, मुझे लगता है कि यह मुकाबला कितना करीबी हो सकता है। और ज़ाहिर है, मैं हर चीज़ को ध्यान में रख रहा हूँ। इस सदी में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में केवल चार टेस्ट मैच जीते हैं और मेरा अनुमान है कि वे इस सीरीज़ में दो जीतेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि यह मुकाबला कितना करीबी हो सकता है।

पोंटिंग का मानना है कि ज़ैक क्रॉली और बेन डकेट की सलामी जोड़ी इंग्लैंड के लिए अहम होगी क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर शुरुआत में ही बढ़त मिल जाए तो ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ मेहमान टीम के मध्यक्रम पर हावी हो सकते हैं। पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज़ों को ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ों पर आक्रमण करना चाहिए ताकि पारी की शुरुआत में ही बढ़त हासिल की जा सके।

पोंटिंग ने कहा, 'मैंने पिछले कुछ सालों पर गौर किया है जब इंग्लैंड ने वाकई अच्छा टेस्ट क्रिकेट खेला है और यह उनके सलामी बल्लेबाजों की कुछ बेहतरीन, तेज़ और सकारात्मक शुरुआत का नतीजा है।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन

शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिडनी **(एजेंसी)**। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए। योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा। वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया। सात्विक और विराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

बॉलीवुड की 'स्टाइलिश मॉम' सोनम कपूर का दूसरा बेबी जोय, वायु के बाद अब नन्हा मेहमान आएगा घर

सोनम कपूर ने पब्लिकली अनाउंस किया है कि वह दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। नीरजा एक्टर, जिन्होंने 2022 में पति आनंद आहूजा के साथ बेटे वायु का स्वागत किया, ने इंस्टाग्राम पर 'गुड न्यूज़' शेयर की। सोनम, जो अपने यूनिक स्टाइल और एस्थेटिक सेंस के लिए जानी जाती हैं, ने सीधे अपने बेबी बंप की तस्वीरें शेयर करके अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी अनाउंस की। एक्टर ने 2022 में आनंद के साथ ब्लैक स्विमसूट में अपनी तस्वीरें शेयर करके अपनी पहली प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट की थी।

एक्टर को आखिरी बार 2023 की फिल्म 'ब्लाइंड' में देखा गया था। वह अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद से फिल्मों से दूर हैं। हालांकि, वह पब्लिक इवेंट्स में शामिल हो रही हैं, अपने इंडस्ट्री के दोस्तों और कलीग्स के लिए अपने घर पर पार्टी होस्ट कर रही हैं, और काम से इस ब्रेक का पूरा फायदा उठा रही हैं। 40 साल की सोनम ने मई 2018 में एक छोटी सी पंजाबी शादी में आहूजा से शादी की। कपल अपना ज़्यादातर समय अपने ळख वाले घर में बिताते हैं, उसके बाद दिल्ली और मुंबई में। सोनम ने 2007 में संजय लीला भंसाली की 'सांवरिया' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। बाद में वह 'दिल्ली 6' (2009), 'आयशा' (2010), 'रांझणा' (2013), 'खूबसूरत' (2014), 'डॉली की डोली' (2015), और 'वीरे दी वेडिंग' (2018) जैसी फिल्मों में नज़र आईं।

'माँ', सोनम कपूर ने पिंक ड्रेस में अपना बेबी बंप दिखाते हुए लिखा। कुछ तस्वीरों में वह अपना पेट पकड़े हुए दिखीं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर, उन्होंने अपनी ड्यू डेट भी बताई: 'आने वाली स्प्रिंग 2026'।

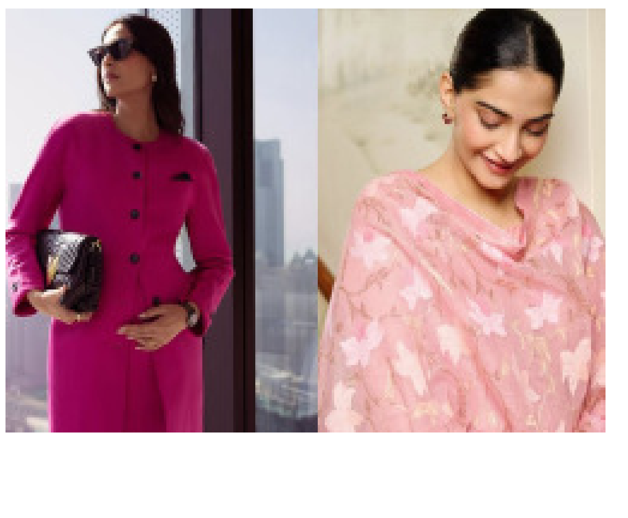

सोनम कपूर के इंडस्ट्री के दोस्तों ने बधाई संदेश भेजे। परिणीति चोपड़ा, जिन्होंने हाल ही में राघव चड्ढा के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत किया, ने लिखा, 'बधाई हो ममासीता', वाराणसी की स्टार प्रियंका चोपड़ा ने लिखा, 'बधाई हो'। करीना कपूर खान, जिन्होंने सोनम के साथ वीरे दी वेडिंग में काम किया था, ने 'सोना और आनंद' लिखा।

2022 में, सोनम कपूर ने एक काला स्विमसूट पहना था और अपनी पहली प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। आनंद आहूजा भी कई फ्रेम का हिस्सा थे। उन्होंने लिखा था: 'हमारे हाथ। आपको सबसे अच्छे तरीके से पालने के लिए। दो दिल। जो हर कदम पर आपके साथ धड़केंगे। एक परिवार। जो आपको प्यार और सपोर्ट देगा। हम आपका स्वागत करने का इंतज़ार नहीं कर सकते।

ह्यून बिन और सोन ये जिन ने ब्लू ड्रैगन फिल्म अवाड्र्स में इतिहास रचा

क्रैश लैंडिंग ऑन यू के स्टार सोन ये जिन और ह्यून बिन ने 46वें ब्लू ड्रैगन फिल्म अवाड्र्स में इतिहास रच दिया। इस सेलिब्रिटी कपल ने 19 नवंबर को सियोल के येओइडो में केबीएस हॉल में हुए सेरेमनी में बड़े अवाड्र्स जीते। बिनजिन कपल को सबसे पहले गर्ल्स जेनरेशन की लिम यूना (प्रिटी क्रेज़ी) और जीओटी7 के पार्क जिनयंग (हाय-फाइव) के साथ पॉपुलर स्टार अवाड्र्स पाने वालों में शामिल किया गया था। यह पल इतना ऐतिहासिक था कि होस्ट ली जे हून ने यह भी कहा कि, उन्होंने जितने भी अवार्ड शो होस्ट किए हैं, उनमें यह पहली बार था जब उन्होंने किसी शादीशुदा कपल को एक साथ स्टेज पर देखा था, और उनकी तारीफ करते हुए कहा, 'आप साथ में बहुत अच्छे लग रहे हैं।'

ह्यून बिन को बायोग्राफिकल पीरियड ड्रामा हार्बिन में अपने रोल के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला, जबकि सोन ये-जिन को सटायरिकल ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर नो अदर चॉइस में उनकी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया, यह प्रेग्नेंसी के बाद उनकी कमबैक मूवी भी थी।

19 नवंबर को सियोल के केबीएस हॉल में हुई अवॉर्ड सेरेमनी में कई स्टार्स मौजूद थे। रात के सबसे यादगार पलों में से एक में, ह्यून बिन और सोन ये-जिन एक साथ रेड कार्पेट पर चले, साथ-साथ बैठे, और ज़ोरदार तालियों के बीच अपने अवॉर्ड लिए।

इस पावर कपल के फैंस, जो उन्हें 'बिनजिन' कपल भी कहते थे, ने उनके फैनपेज और सोशल मीडिया प्रोफाइल पर खुशी मनाई, इस सिंबॉलिक जीत को प्यार और आर्ट दोनों की जीत के तौर पर सेलिब्रेट किया।

ह्यून बिन को हार्बिन में दिखाए गए कोरियन इंडिपेंडेंस एक्टिविस्ट आह्न जंग-ग्यून के रोल के लिए पहचान मिली। अपनी एक्सेप्टेंस स्पीच में, उन्होंने डायरेक्टर वू मिन-हो को धन्यवाद दिया और अवॉर्ड अपनी पत्नी और अपने बच्चे को डेडिकेट किया। स्पीच में अपनी पत्नी का ज़िक्र होने के साथ, ह्यून बिन एक बार फिर अपने फैंस के लिए ग्रीन फ्लैग हस्बैंड बन गए।

सोन ये-जिन की जीत भी उतनी ही इमोशनल थी, नो अदर चॉइस में अपने रोल के लिए, उन्होंने बताया कि कैसे मदरहुड ने उनका नज़रिया बदल दिया, और उन्होंने यह पल अपने पति और बेटे के साथ शेयर किया।

फिल्म नो अदर चॉइस ने सेरेमनी में अपना दबदबा बनाया, पार्क चान-वूक के लिए बेस्ट पिक्चर और बेस्ट डायरेक्टर सहित कई अवॉर्ड जीते।

अपनी शाम को खत्म करने के लिए, ह्यून बिन और सोन ये-जिन ने मिलकर पॉपुलर स्टार अवॉर्ड एक्सेप्ट किया, जिससे यह रात उनके फैंस के लिए और भी खास हो गई, जिन्होंने पूरा सपोर्ट किया।